mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-273 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
04 अक्टूबर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

मीराबाई चानू ने भारत...
@ पेज 7

पुतिन बोले- अमेरिका के दबाव के आगे भारत नहीं झुकेगा

मैं पीएम मोदी को जानता हूं, भारतीय अपमान बर्दाश्त नहीं करते

सोची, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेल खरीद के मुद्दे पर अमेरिकी दबाव की आलोचना की और कहा कि भारत झुकने वाला नहीं है। उन्होंने सोची शहर में गुरुवार को आयोजित वाल्दाई पॉलिसी फोरम को संबोधित करते हुए यह कहा कि पीएम मोदी कभी भी ऐसा फैसला नहीं करेंगे, जो भारत की संप्रभुता के खिलाफ हो।

पुतिन ने कहा कि अगर रूस के ट्रेड पार्टनर्स पर ऊंचे टैरिफ लगाए गए, तो इसका असर पूरी दुनिया की ऊर्जा कीमतों पर पड़ेगा। कीमतें बढ़ेंगी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को मजबूरी में ब्याज दरें ऊंची रखनी होंगी, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीमी पड़ जाएगी। पुतिन ने चेतावनी दी कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो उसे 9 से 10 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ेगा। पुतिन ने कहा कि भारत जैसे देश में लोग अपने नेताओं के फैसलों पर नजर रखते हैं और वे कभी नहीं चाहेंगे कि उनका देश किसी के सामने झुके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूसी तेल के बिना दुनिया की भी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा और यदि इसकी आपूर्ति बंद हो जाती है तो तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 डॉलर से भी ऊपर बढ़ सकती हैं।

भारत के साथ व्यापार असंतुलन को ठीक करने की सलाह दी : पुतिन ने मोदी का दोस्त बताते हुए कहा कि वह उनके साथ भरोसे के साथ बातचीत कर सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने दिसंबर की शुरुआत में होने वाली अपनी भारत यात्रा को लेकर खुशी जताई। उन्होंने अपनी सरकार को यह भी निर्देश दिया कि भारत के बड़े पैमाने पर कच्चे तेल खरीदने की वजह से जो व्यापार असंतुलन बना है, उसे दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। पुतिन ने कहा कि भारत चाहे तो व्यापार असंतुलन को ठीक करने के लिए रूस से और ज्यादा कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। अपने भाषण में पुतिन ने अमेरिका पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देशों पर रूसी ऊर्जा न खरीदने का दबाव डालता है, जबकि खुद यूरेनियम के लिए रूस पर निर्भर है। पुतिन ने कहा कि रूस, अमेरिका को यूरेनियम देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका हमसे यह इसलिए खरीदता है क्योंकि इसमें उसका फायदा है।

जुबीन गर्ग मौत केस- सिंगापुर ने भारत को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सौंपी

असम पुलिस ने संगीतकार शेखर और सिंगर अमृतप्रभा को अरेस्ट किया, अब तक 4 गिरफ्तार

गुवाहाटी/सिंगापुर, एजेंसी। जुबीन गर्ग मौत मामले में सिंगापुर पुलिस ने भारतीय हाई कमीशन को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सौंपी है। 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान जुबीन की मौत हो गई थी। इधर, असम पुलिस ने सिंगर जुबीन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में गुरुवार को संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी और सिंगर अमृतप्रभा महंत को गिरफ्तार किया है। गोस्वामी और अमृतप्रभा, जुबीन की म्यूजिक टीम का हिस्सा थे।

घटना के वक्त दोनों सिंगापुर में थे और मौके पर मौजूद थे। गोस्वामी और अमृतप्रभा को पूछताछ के लिए बुलाया गया और बाद में गिरफ्तार कर लिया। मामले में अब तक 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। PTI के सूत्रों के अनुसार, पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें उनके खिलाफ कुछ सबूत मिले हैं। इसलिए आगे जांच के लिए उनकी गिरफ्तारी जरूरी थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गोस्वामी और महंत 19 सितंबर को सिंगापुर में यॉट पार्टी में जुबीन के साथ थे। SIT सूत्रों के मुताबिक, वीडियो में गोस्वामी गर्ग के बहुत करीब तैरते दिखाई दिए, जबकि अमृतप्रभा ने पूरी घटना अपने मोबाइल पर रिकॉर्ड की थी।

विजय अहंकारी और पैसों के भूखे

सीएम स्टालिन का आरोप- करूर भगदड़ पर राजनीति कर रही भाजपा

चेन्नई,एजेंसी। करूर भगदड़ मामले पर आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। अब डीएमके पार्टी ने टीवीके नेता और फिल्म अभिनेता विजय पर तीखा हमला बोला है। डीएमके ने अपने मुखपत्र मुरासोली में प्रकाशित एक लेख में विजय पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, विजय ने जो वीडियो जारी की है, वह उनके अहंकार, पैसे-प्रचार की भूख और सत्ता पाने की चाह को दिखाती है।

डीएमके का विजय पर तीखा तंज: दरअसल विजय ने एक वीडियो जारी कर कहा कि सरकार को जो भी कार्रवाई करनी है, उनके खिलाफ करे, लेकिन उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को छोड़ दे। इसी पर निशाना साधते हुए डीएमके ने कहा कि विजय ने सरकार के दबाव में ही मृतकों के परिजनों को 20 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया है। क्योंकि सरकार ने 10 लाख रुपये देने की बात कही तो उन्होंने 20 लाख देने का एलान कर दिया, लेकिन अगर सरकार एक लाख रुपये देती तो विजय दो लाख देने की बात करते। सीएम स्टालिन ने करूर भगदड़ पर भाजपा द्वारा प्रतिनिधिमंडल गठित करने पर तंज कसा है।

हनुमानगढ़ में गुरुद्वारे पर कब्जे का विवाद

हिंसक झड़प: बाहरी लोग जबरन घुसे, बच्चों समेत 8 घायल; स्कूल बंद

15 थानों की पुलिस तैनात

हनुमानगढ़, एजेंसी। हनुमानगढ़ के गोलूवाला कस्बे में गुरुद्वारा मेहताबगढ़ साहिब में प्रबंधन कमेटी को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले लिया। सुबह करीब 3 बजे एक पक्ष के 80 से ज्यादा लोगों ने गुरुद्वारे में जबरन घुसकर कब्जा करने की कोशिश की। इस दौरान वहां मौजूद दूसरे पक्ष के साथ कहासुनी के बाद झड़प हो गई। इसमें बच्चों समेत करीब 8 लोग घायल हो गए। इनके हाथ, पैर और सिर में चोट आई है। कई घायलों को स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद श्रीगंगानगर जिला हॉस्पिटल रेफर किया गया। सूचना पर गोलूवाला थाना पुलिस फौरन मौके पर पहुंची। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने 15 थानों की पुलिस और RAC के जवानों को तैनात किया है। पुलिस लाइन से अतिरिक्त जाब्ता भी बुलाया गया है। एहतियात के तौर पर कस्बे में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। प्रशासन ने गोलूवाला में धारा 163 लागू कर दी है। चार या ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक रहेगी। फिलहाल इलाके में पुलिस की निगरानी में हालात काबू में हैं, लेकिन तनाव बना हुआ है।

गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी को लेकर विवाद : एसपी हरि शंकर ने बताया- गुरुद्वारा में मुख्य ग्रंथी (प्रबंधक) को हटाने की मांग को लेकर दो पक्ष लंबे समय से आमने-सामने हैं। गोलूवाला कस्बा सिख संगत और मुख्य प्रबंधक बीबी हरमीत कौर पक्ष में गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की जिम्मेदारी को लेकर विवाद है।

2009 में संत बाबा अमृतपाल सिंह गोलूवाला के गुरुद्वारा मेहताबगढ़ साहिब के मुख्य प्रबंधक थे। वे करीब 7 साल तक मुख्य प्रबंधक रहे। 2016 में पंजाब में संत बाबा अमृतपाल सिंह की हत्या हो गई।

साल 2016 में अमृतपाल सिंह की पत्नी बीबी हरमीत कौर को गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी का पदभार सौंपा गया। पिछले दो महीने से दोनों पक्ष आमने-सामने हैं।

पहले भी बनी तनावपूर्ण स्थिति

विवाद को सुलझाने के लिए प्रशासन और पुलिस की ओर से पहले भी कई बार बैठकें की गई हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। 19 सितंबर को इसी विवाद के चलते कस्बे में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए इंटरनेट सेवाएं भी अस्थायी रूप से बंद की गई थीं। कलेक्टर और एसपी को भी कई बार ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं।

आईएएफ चीफ बोले- भारतीय जेट गिराने के दावे मनोहर कहानियां

पाकिस्तान के पास अगर सबूत है तो दिखाए भारत ने पाक के एफ16 और जे 17 गिराए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के जेट गिराने के दावे सिर्फ मनोहर कहानियां जैसे हैं। अगर उनके पास कोई सबूत हैं तो दिखाएं। भारत ने उनके पांच फाइटर जेट तबाह किए हैं, जिसमें स्र16 और छ्र17 भी शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 300 किमी अंदर घुसकर हमला किया। पहलगाम अटैक के बाद हमने तय किया कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी ही होगी। सेना को खुली छूट दी गई थी। हमने सटीकता से हमला किया। बाद में पाकिस्तान खुद युद्धविराम के लिए आगे आया।

यह दूसरी बार है, जब एयरफोर्स चीफ ने पाकिस्तान के हुए नुकसान की जानकारी दी। इससे पहले 9 अगस्त को उन्होंने बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। इसके अलावा एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है।

पाक के दावों पर मैं बात क्यों करूं: अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने हमारे (भारत) 15 जेट मार गिराए हैं, तो उन्हें सोचने दीजिए। मैं इसके बारे में बात क्यों करूं? आज भी, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगा कि क्या हुआ, कितना नुकसान हुआ, कैसे हुआ, क्योंकि उन्हें पता करने दीजिए। क्या आपने एक भी तस्वीर देखी है जहां हमारे किसी एयरबेस पर कुछ गिरा हो, हमें कोई टक्कर लगी हो, कोई हैंगर तबाह हुआ हो, या ऐसा कुछ?

ये उनकी मनोहर कहानियां हैं

हमने उन्हें उनकी जगहों की इतनी सारी तस्वीरें दिखाईं। लेकिन, वे हमें एक भी तस्वीर नहीं दिखा पाए। ये उनकी कहानी मनोहर कहानियां है। उन्हें खुश रहने दीजिए, आखिरकार, उन्हें भी अपनी इज्जत बचाने के लिए अपने लोगों को कुछ तो दिखाना ही है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

पाकिस्तान को काफी नुकसान पहुंचाया

जहां तक पाकिस्तान के नुकसान का सवाल है। हमने बड़ी संख्या में उनके हवाई अड्डों और प्रतिष्ठानों पर हमला किया। इन हमलों के कारण, कम से कम चार स्थानों पर रडार, दो स्थानों पर कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो जगह पर रनवे क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा तीन हैंगर भी नष्ट किए और कम से कम 4 से 5 लड़ाकू विमान भी तबाह किए गए हमने लक्ष्य के साथ युद्ध खत्म किया- भारतीय सेना को स्पष्ट संदेश दिया गया था।

चैतन्यानंद की तीन महिला सहयोगी गिरफ्तार, छात्राओं पर दबाव बनाती थीं

कई सबूत मिलने के बाद भी बाबा को पछतावा नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी की तीन करीबी महिला सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में महिलाओं ने माना कि उन्होंने चैतन्यानंद के कहने पर छात्राओं पर दबाव बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं में श्री शारदा इंस्टीट्यूट की श्वेता शर्मा (एसोसिएट डीन), भावना कपिल (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) और काजल (सीनियर फैकल्टी) शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने अपराध में सहयोग, शिकायतकर्ताओं को धमकाया और सबूत नष्ट किए।

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक गेस्ट हाउस में चैतन्यानंद महिला छात्रों के साथ रुका था। वहां के स्थानीय लोगों ने भी इसकी पुष्टि की है।

पुलिस को चैतन्यानंद के फोन से डिजिटल सबूत भी मिले हैं। इनमें वह एक वॉट्सएप ग्रुप में छात्राओं की फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, बढ़ते सबूतों के बावजूद चैतन्यानंद ने कोई पछतावा नहीं दिखाया।

अमित शाह का हरियाणा दौरा:

बोले- रोहतक के डेयरी प्लांट से एनसीआर की सभी जरूरतें पूरी होंगी, किसानों की आय बढ़ेगी

रोहतक/कुरुक्षेत्र, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज हरियाणा दौरे पर हैं। वह रोहतक की महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी (MDU) के खेल मैदान में पहुंचे। यहां उन्होंने साबर डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया। उनके साथ सीएम नायब सैनी भी मौजूद हैं।

अमित शाह ने कहा कि यह लगभग 350 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया देश का सबसे बड़ा दही, छाछ, योगर्ट और मिठाई उत्पादन केंद्र है। अब यहीं से पूरे NCR की जरूरतें पूरी होंगी। इससे आय बढ़ेगी। आने वाले समय में 75 हजार डेयरी समितियां बनाई जाएंगी

उनके आने से पहले MDU के छात्र संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्र संगठनों ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम के लिए रात को ग्राउंड में सड़क बनाने और कच्चे ग्राउंड में रोलर चलाकर उसे खराब कर दिया गया है। इसे देखते हुए पुलिस ने छात्र नेता प्रदीप देशवाल को पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया है। उनके आने से पहले MDU के छात्र संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्र संगठनों ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम के लिए रात को ग्राउंड में सड़क बनाने और कच्चे ग्राउंड में रोलर चलाकर उसे खराब कर दिया गया है। इसे देखते हुए पुलिस ने छात्र नेता प्रदीप देशवाल को पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया है।

रक्षा मंत्री ने जैन समुदाय की मेहनत और योगदान को सराहा, कहा- भारत बनेगा दुनिया की फैक्ट्री

हैदराबाद, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हैदराबाद में शुक्रवार को जैन समुदाय की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जैन समुदाय की सोच और दर्शन भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समाज के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन समुदाय का इतिहास भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का एक अनमोल उदाहरण है। उन्होंने इस समुदाय की भूमिका को भारत की सांस्कृतिक विरासत में बहुत महत्वपूर्ण बताया।

भारत बनेगा दुनिया की फैक्ट्री- राजनाथ सिंह

उन्होंने आगे कहा कि जैन समुदाय ने देश के फार्मा, विमानन और शिक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है और इन क्षेत्रों में नेतृत्व कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत आज खिलौनों से लेकर टैंकों तक लगभग हर चीज बनाने लगा है और वह दिन दूर नहीं जब भारत पूरी दुनिया का फैक्ट्री बन जाएगा। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने देश के विकास में जैन समुदाय की भूमिका को सराहा और कहा कि उनके प्रयासों से भारत की प्रगति और मजबूती को बल मिला है।

लेह हिंसा-वांगचुक की पत्नी की सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

बोलीं- एक हफ्ता हो गया, न पति की सेहत, न ही गिरफ्तारी की वजह पता

नई दिल्ली, एजेंसी। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने अपने पति की रिहाई की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। गीतांजलि जे अंगमो ने वांगचुक को तुरंत रिहा करने की मांग करते हुए हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका लगाई है।

डॉ. अंगमो ने 2 अक्टूबर को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की। उन्होंने दावा किया कि उनके पति की गिरफ्तारी अवैध है।

वांगचुक फिलहाल जोधपुर की जेल में हैं, उन्हें 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। हिंसा में 4 लोग मारे गए थे।

सोनम के अलावा लेह की स्थानीय जेल में बंद 56 आंदोलनकारियों में से 26 को 2 अक्टूबर को छोड़ दिया गया। इन पर गंभीर धाराएं नहीं थीं। 30 लोग अभी जेल में हैं।

वांगचुक की पत्नी बोलीं- एक हफ्ता बीता, डिटेंशन ऑर्डर कॉपी नहीं मिली : गीतांजलि ने ङ्क्र पर एक पोस्ट में लिखा- आज एक हफ्ता हो गया है। अभी भी मुझे सोनम की सेहत, उनकी हालत और नजरबंदी के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अंगमो ने वकील सर्वम ऋ्रम खरे के जरिए दायर याचिका में वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी है। साथ ही उनकी तुरंत रिहाई की मांग की है।

वांगचुक के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया है। अंगमो का आरोप है कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की कॉपी नहीं मिली है, जो नियमों का उल्लंघन है।

क्या है हैबियस कार्पस : हेबियस कार्पस लैटिन भाषा का शब्द है, इसका मतलब होता है- शरीर सामने लाओ। यानी किसी व्यक्ति को गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार किया है, हिरासत में रखा है, तो अदालत उस व्यक्ति को तुरंत कोर्ट के सामने पेश करने का आदेश दे सकती है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 और 226 के तहत यह अधिकार हर नागरिक को मिला है। कोई भी व्यक्ति, उसका परिवार/दोस्त हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में हेबियस कॉर्पस रिट दायर कर सकता है। आदेश के बाद पुलिस को पूरी जानकारी कोर्ट के सामने रखनी होती है।

उद्धव बोले- पाकिस्तान जाने पर वांगचुक देशद्रोही फिर मोदी क्या? नवाज शरीफ से मिलने गए थे

न्याय के लिए लड़ना अब देशद्रोह हो गया

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (UBT) चीफ उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर केंद्र सरकार की आलोचना की। दादर वेस्ट में दशहरा मेला में ठाकरे ने कहा- देश में अधिकारों और न्याय के लिए लड़ना अब देशद्रोह हो गया है। ठाकरे ने कहा- वांगचुक देशद्रोही नहीं है, लेकिन पाकिस्तान में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनपर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। अगर वांगचुक को इसके लिए गिरफ्तार किया जा सकता है, तो नवाज शरीफ से मिलने मोदी जी के जाने के बारे में आप क्या कहेंगे? पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि वांगचुक का देश के लिए बड़ा योगदान है। उन्होंने लद्दाख में सेना के जवानों के लिए सोलर हीटेड टेंट बनाए। पानी के लिए आइस स्तूप टेक्नोलॉजी विकसित की।

बढ़ते स्क्रीन टाइम से किशोरों का स्वास्थ्य संकट में, कोर्स में फिजियोथेरेपी जोड़ने का आग्रह

दिल्ली, एजेंसी। आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि न करने के कारण किशोरों में मांसपेशी और हड्डी संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। पारंपरिक आदतें जैसे उकड़ू बैठना, पालथी मारकर भोजन करना या नंगे पैर चलना, जो शरीर को लचीला रखती थीं। मौजूदा समय में यह पीछे छूट गई हैं।

इसके बजाय, बच्चे और किशोर घंटों झुककर मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर समय बिता रहे हैं, जबकि स्कूल में छह से सात घंटे की निरंतर बैठकी और व्यायाम की कमी से पोस्चर विकार उत्पन्न हो रहे हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है। अध्ययन के आधार पर विशेषज्ञों ने स्कूली पाठ्यक्रम में फिजियोथेरेपी को शामिल करने की सलाह दी है, ताकि किशोरों के स्वास्थ्य को सुधारा जा सके और चोटों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। एम्स ने अक्तूबर 2023 से दिल्ली के दो निजी स्कूलों के 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 380 छात्रों पर नजर रखी गई। इस दौरान उनकी दिनचर्या, बैठने की आदतों और स्वास्थ्य पर गहन विश्लेषण किया गया।

अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश किशोरों में पोस्चर

संबंधी समस्याएं जैसे आगे की ओर झुकना, गर्दन और कंधों में दर्द, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, इलियोटिबियल बैंड की जकड़न, सपाट पैर और हैमस्ट्रिंग की कठोरता जैसी शिकायतें आम हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक गतिविधियां जैसे स्ट्रेचिंग से पहले खेलना या फर्श पर बैठना शरीर के लचीलापन को बनाए रखती हैं, लेकिन आजकल की जीवनशैली इनसे दूर कर रही है।

समस्याग्रस्त किशोरों को 12 सप्ताह की फिजियोथेरेपी दी गई, जिसके बाद अगले 24 सप्ताह तक उनकी निगरानी की गई। परिणाम में देखा गया कि बच्चों में न केवल उनकी मांसपेशी और हड्डी संबंधी दिक्कतें कम हुई, बल्कि पोस्चर में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया। एम्स के विशेषज्ञों के अनुसार, फिजियोथेरेपी न केवल मौजूदा विकारों को ठीक करती है, बल्कि जीवनभर स्वस्थ आदतें विकसित करने में मदद करती हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूलों में फिजियोथेरेपी को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, विशेषकर खेल गतिविधियों के दौरान उचित प्रशिक्षण और चोट निवारण के लिए। इससे किशोरों में मस्कुलोस्केलेटल स्वास्थ्य को मजबूत किया जा सकता है और भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाव होगा।

दिल्ली सरकार को मिलेगा 100 करोड़ रुपये अतिरिक्त पर्यावरण शुल्क, प्रदूषण से भी मिलेगी कुछ राहत

दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग को पर्यावरण शुल्क के नाम पर प्रतिवर्ष करीब 100 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। अभी तक प्रतिवर्ष करीब 120 करोड़ रुपये राजस्व मिलता है। इसके अलावा इस आदेश से एमसीडी को भी बड़ी राहत मिलेगी। उसे अब सामान लेकर आने वाले व्यवसायिक वाहनों की जांच नहीं करनी पड़ेगी और ऐसे वाहन चालकों के साथ होने वाली कहासुनी या विवाद की स्थिति भी खत्म होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2015 से लागू उस छूट को समाप्त कर दिया जिसके तहत आवश्यक वस्तुएं ढोने वाले व्यावसायिक वाहन पर्यावरण शुल्क से मुक्त थे। अब सब्जी, फल, दूध, अनाज, अंडे, पोल्ट्री उत्पाद, बर्फ और नमक ले जाने वाले वाहन भी शुल्क के दायरे में आएंगे। यहां तक

कि खाली या आंशिक रूप से भरे ट्रक भी शुल्क देने से नहीं बचेंगे। दरअसल, एमसीडी ने सुप्रीम कोर्ट में यह दलील दी थी कि छूट प्राप्त वाहनों की जांच करना उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। बाहर से देखकर यह पहचानना असंभव है कि ट्रक में क्या सामान है। ऐसे में हर वाहन की जांच करनी पड़ती है जिससे चेक-पोस्ट पर लंबी कतारें लग जाती हैं। इस प्रक्रिया में समय की बर्बादी के साथ ट्रकों से लगातार निकलने वाला धुआं प्रदूषण को और बढ़ा देता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एमसीडी की इस दलील को उचित मानते हुए छूट समाप्त कर दी।

प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को बल मिलेगा: नए आदेश से न केवल प्रशासनिक व्यवस्था आसान होगी बल्कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को भी बल मिलेगा। पहले चेक-पोस्ट पर जांच की वजह से घंटों खड़े रहने वाले ट्रकों से अतिरिक्त धुआं निकलता था जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता था।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

फरीदाबाद, एजेंसी। पल्ला थाना इलाके में नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म के दोषी शेर सिंह को जिला अदालत ने 20 साल कैद की सजा दी है। पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर आरोपी शेर सिंह को दोषी करार देते हुए बुधवार को जिला अदालत ने फैसला सुनाया। अदालत ने दोषी पर 60 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही पीड़िता को एक लाख रुपये मुआवजा राशि के भी अदालत ने आदेश दिए हैं।

आदेश में अदालत ने यह स्पष्ट किया है कि ये रकम लड़की के नाम बैंक में एफडी के तौर पर जमा कराई जाए, जिसे वो बालिग होने पर पा सकेगी। आदेश में साफ तौर पर कहा गया कि लड़की की मां को न दी जाए क्योंकि वो बयान से मुकर गई। पल्ला थाना में ये एफआईआर 31 अगस्त 2020 को पोक्सो एक्ट की धारा 6, मारपीट व मारने की धमकी देने की धाराओं में दर्ज हुई थी। महिला ने पुलिस को बयान दिया है कि उनकी 9 साल की बच्ची घर आई तो कपड़ों पर खून लगा था। बच्ची को डॉक्टर के पास ले गए तो बताया कि दुष्कर्म हुआ है। बच्ची ने बताया कि पास के इलाके में रहने वाले ऑटो चालक शेर सिंह ने उसके साथ गलत काम किया। बच्ची के माता-पिता आरोपी के घर गए और विरोध जताया तो उनके साथ मारपीट करते हुए मारने की धमकी दी गई।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो चालक शेर सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा। आरोपी के खिलाफ चालान तैयार कर अदालत में पेश किया गया। अब पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा पर फैसला सुनाया है।

बहन ने गेम खेलने पर डांटा तो नाबालिग ने फंदा लगा दी जान

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में बड़ी बहन ने छोटे भाई को मोबाइल पर गेम खेलने से मना किया और डांट दिया। भाई को बहन की डांट इस कदर बुरी लगी कि उसने फंदा लगा लिया। परिजनों ने फंदा लगाने के कुछ ही देर में छात्र को फंदे से उतार कर निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

मृतक की शिनाख्त आदर्श कुमार (15) के रूप में हुई है। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम कराकर आदर्श का शव परिवार के हवाले कर दिया है। इकलौते बेटे की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म शर्मा ने बताया कि आदर्श अपने परिवार के साथ लाल बाग, आदर्श नगर में रहता था। इसके परिवार में पिता अनिल कुमार झा, मां और एक बड़ी बहन है। आदर्श के पिता सोनीपत कुंडली में एक एक्सपोर्ट कंपनी में नौकरी करते हैं। आदर्श पास के एक निजी स्कूल में नौवीं कक्षा का छात्र था।

बहन बार-बार बोल रही- उसने भाई को क्यों डांटा

बुधवार को स्कूल की छुट्टी थी तो आदर्श मोबाइल चला रहा था। बहन ने पहले मोबाइल रखकर पढ़ाई करने के लिए कहा, लेकिन उसने बहन की बात को अनसुना कर दिया। कुछ देर बाद बहन ने दोबारा डांटा को वह नाराज होकर अपने कमरे में चला गया और यह कदम उठा लिया। इकलौते बेटे की मौत के बाद अनिल कुमार झा व उनकी पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। आदर्श की बहन भी बार-बार कहे जा रही है कि उसने भाई को क्यों डांटा।

ट्रेड फेयर में उद्योगों में हुए बदलाव को दिखाएगा बड़ा पैवेलियन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार इस बार इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) में बड़ा पैवेलियन बनाकर राजधानी में व्यापार को आसान बनाने के लिए किए सुधारों को प्रदर्शित करने की योजना बना रही है। तैयारियों को शुरू करते हुए सरकार ने दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीएसआईआईडीसी) को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

डीएसआईआईडीसी ने भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में पैवेलियन बनाने का टेंडर जारी किया है, जिससे डिजाइन एजेंसी की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बार एक भारत, श्रेष्ठ भारत की थीम पर 14 से 27 नवंबर तक आईआईटीएफ आयोजित होगा। इसमें दिल्ली सरकार निवेशकों को आकर्षित करने, कारोबारी प्रक्रियाओं को सरल बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम करेगी। हाल ही में सरकार ने ग्रीन कैटेगरी इंडस्ट्रीज के लिए कंसेंट टू ऑपरेट (सीटीओ) की मंजूरी प्रक्रिया को सरल किया है। अगस्त से, इन उद्योगों के अप्लीकेशंस पर यदि 20 दिनों में फैसला नहीं होता, तो उन्हें स्वतः अप्रूवल मिल जाएगा। पहले ये 120 दिन में होता था। इससे परिधान निर्माण, एल्यूमीनियम उत्पादों, आयुर्वेदिक उत्पादों, फर्नीचर, पैकेजिंग, खिलौनों, ऑप्टिकल सामान और कोल्ड स्टोरेज जैसे कम जोखिम वाले क्षेत्र की छोटी व मध्यम कंपनियों को फायदा पहुंचेगा। माना जा रहा कि इससे लाइसेंस राज खत्म होगा। सरकार और उद्योगों के बीच विश्वास बढ़ेगा। कम समय में आसानी से उद्योग स्थापित होंगे।

सरकार ने पीएलआई योजना के लिए आवेदन की समय-सीमा 31 दिसंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कपड़ा उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत नए आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी है। कपड़ा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सरकार ने पीएलआई योजना के तहत वस्त्र उद्योग के लिए आवेदन जमा करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। पीएलआई योजना के लिए आवेदन 31 दिसंबर, 2025 तक खुले रहेंगे। अगस्त, 2025 से शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया में मानव निर्मित रेशे (एमएमएफ) परिधान, एमएमएफ फैब्रिक्स और तकनीकी वस्त्र निर्माण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होने के बाद, समय सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए इच्छुक आवेदक अपने प्रस्ताव आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल- https://pli.te&min.gov.in/ के जरिए प्रस्तुत कर सकते हैं। मंत्रालय ने पीएलआई योजना के तहत मानव निर्मित फाइबर परिधान, एमएमएफ फैब्रिक्स और टेक्निकल टेक्सटाइल सहित क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आवेदन मिलने के बाद यह निर्णय लिया गया है। अगस्त 2025 इसके लिए आवेदन लेने शुरू किए गए थे।

कापसहेड़ा में स्पेशल सेल ने विदेश बैठे गैंगस्टरों के दो गुर्गे दबोचे, एक के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आज भी मुठभेड़ हुई है। स्पेशल सेल की टीम ने शुक्रवार सुबह कापसहेड़ा इलाके में मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश राजपूत निवासी श्रीगंगानगर, राजस्थान और महिपाल निवासी भरतपुर, राजस्थान के रूप में हुई है।

सूत्रों के मुताबिक, आकाश राजपूत जुलाई 2022 में असंध (करनाल) के एक अस्पताल के बाहर हुई फिरौती की गोलीबारी में शामिल था, जिसे विदेश बैठे गैंगस्टर दलेर कोटिया ने अंजाम दिलवाया था। साथ ही जुलाई 2025 में गुजरात में फिरौती के लिए हुए एक अपहरण मामले में भी वह वांछित था। इस मामले में विदेश बैठे गैंगस्टर किरितसिंह झाला ने पीड़ित से 100 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। आकाश राजपूत पर राजस्थान पुलिस ने 20,000 रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था।

जानकारी के अनुसार, आकाश राजपूत वांछित गैंगस्टरों जगदीश जागला और अभिषेक गौड़ के जरिए रोहित गोदारा, गोल्डी बराड़ और वीरेंद्र चारण से जुड़ चुका था। वह भारत से विदेश भागने के लिए फर्जी पासपोर्ट बनवाने की तैयारी में था। इसी तरह, महिपाल भी असंध गोलीकांड में जेल गया था और बाद में बेल पर छूटने के बाद आकाश के साथ मिलकर विदेश बैठे गैंगस्टरों से जुड़ गया था।

आज सुबह कापसहेड़ा में हुई मुठभेड़ में आकाश राजपूत को पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया।

नोएडा-ग्रेनो में 20 दिनों तक नहीं होगी गंगाजल की आपूर्ति रैनीवेल और ट्यूबवेल से की जाएगी पानी की सप्लाई

नोएडा/ ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। गंगाजल की मुख्य लाइन के रखरखाव की वजह से करीब 20 दिनों तक नोएडा-ग्रेटर नोएडा में गंगाजल की आपूर्ति ठप रहेगी। इस वजह से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट के अधिकांश इलाकों में दीपावली तक पानी की किल्लत बनी रह सकती है। इस किल्लत को दूर करने के लिए नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने रैनीवेल और ट्यूबवेल से आपूर्ति की कमी को पूरा करने का फैसला लिया है। ग्रेटर नोएडा को जैतपुर भूमिगत जलाशय से बफर स्टॉक से कुछ दिन पानी की आपूर्ति की जाएगी।

नोएडा-ग्रेनो के अधिकारियों का कहना है कि हर साल इन दिनों में गंगाजल के प्राथमिक स्रोत देहरा, गंगनहर और द्वितीयक स्रोत पालडा,

बुलंदशहर पर रखरखाव का काम शुरू होता है। इस दौरान बारिश के बाद जमे सिल्ट को साफ किया जाता है। यह काम इस बार 2 अक्तूबर से 20 अक्तूबर तक होगा। हालांकि यह प्रयास किया जाएगा कि लोगों को पानी की किल्लत नहीं हो। नोएडा में 200 एमएलडी तो ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में करीब 100 एमएलडी पानी की जरूरत अभी होती है। गंगाजल की आपूर्ति बंद होने से इन दिनों करीब 10 लाख की आबादी प्रभावित होने की आशंका रहती है।

वरिष्ठ प्रबंधक जल राजेश गौतम ने बताया कि गंगाजल की आपूर्ति बाधित होने से लोगों को कोई दिक्कत नहीं होगी। हमारी ट्यूबवेल की क्षमता वर्तमान की मांग से काफी अधिक है। गंगाजल नहीं मिलने से जो कमी पानी की आएगी उसे ट्यूबवेल से पूरा कर लिया जाएगा। जैतपुर में बने भूमिगत जलाशय में करीब 40 एमएलडी बफर स्टॉक है।

इससे भी करीब सात दिन तक अतिरिक्त जरूरत को पूरा कर किल्लत को न्यूनतम किया जा सकता है। जहां भी पानी की किल्लत की शिकायत मिलेगी। वहां टैंकर से पानी भेज दिया जाएगा। वहीं नोएडा प्राधिकरण के जीएम आरपी सिंह ने बताया कि गंगाजल की आपूर्ति 4 अक्तूबर से बाधित हो सकती है। हालांकि रैनीवेल, ट्यूबवेल और भूमिगत जलाशयों से पानी की आपूर्ति जारी रहेगी। जरूरत पड़ने पर पानी के टैंकर भी भेजे जाएंगे।

दिल्ली के महापौर ने संपत्तिकर निपटान योजना का लाभ उठाने की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने शुक्रवार को जनता से संपत्ति कर माफी योजना 2025-26 संपत्तिकर निपटान योजना (सुनियो) का लाभ उठाने की अपील की। इकबाल सिंह ने कहा कि करदाता इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2020-21 से पहले के ब्याज और जुर्माने से पूरी तरह मुक्त हो सकते हैं, बशर्ते वे चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) और

पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) तक का मूल कर बिना किसी ब्याज और जुर्माने के अदा करें। उन्होंने बताया कि अब तक 1.29 लाख से अधिक करदाता सुनियो योजना का लाभ उठा चुके हैं और 30 सितंबर तक 519 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति कर जमा किया जा चुका है। इनमें से लगभग 66 हजार नए करदाताओं ने पहली बार संपत्ति कर चुकाया है, जिससे लगभग 200 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है।

भ्रामक विज्ञापन देने पर दृष्टि आईएएस पर 5 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2022 के परिणामों के संबंध में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए दृष्टि आईएएस (वीडीके एडुवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सीसीपीए ने यूपीएससी 2022 के परीक्षा परिणाम को लेकर भ्रामक विज्ञापनों के लिए दृष्टि आईएएस कोचिंग पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना दृष्टि आईएएस ने अपने विज्ञापन में सफल उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों के साथ यूपीएससी सिविल सेवा 2022 में 216+ चयन का प्रमुखता से दावा किया था। उसके सही नहीं पाए जाने पर यह जुर्माना लगाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि जांच करने पर सीसीपीए ने पाया कि यह दावा भ्रामक था और इसमें उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रमों के प्रकार और अवधि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई गई थी। जांच से पता चला कि दृष्टि आईएएस द्वारा दावा किए गए 216 उम्मीदवारों में से, 162 (75 फीसदी) ने ही यूपीएससी सीएसई के प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लिया था।

थाईलैंड में गिरफ्तार हुए ऑस्ट्रेलियाई लेखक मरे हंटर, जानें मलयेशिया पर क्यों लगा रहे आरोप?

बैंकॉक, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले 66 वर्षीय लेखक और शोधकर्ता मरे हंटर को थाईलैंड में मानहानि के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। यह मामला मलयेशिया सरकार की ओर से शुरू हुआ बताया जा रहा है। हंटर का कहना है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय दमन का मामला है, जिसमें एक देश दूसरे देश से आलोचकों को दबाने में मदद लेता है।

बता दें कि मरे हंटर थाईलैंड के दक्षिणी हिस्से में रहते हैं। उन्हें सोमवार को बैंकॉक एयरपोर्ट से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वो हांगकांग जाने वाली फ्लाइट पकड़ने वाले थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें एक रात जेल में रखा गया और फिर 20,000 थाई बहत (करीब ?51,000 रुपये) की जमानत पर रिहा कर दिया गया। अब उन्हें

17 नवंबर को कोर्ट में पेश होना है।

हंटर पर कौन-कौन से आरोप लगे हैं? हंटर पर लगे आरोप को आप ऐसे समझिए कि उन्होंने 2024 में अपने ऑनलाइन ब्लॉग पर मलयेशिया की संस्थाओं को लेकर कुछ लेख लिखे, जो कथित तौर पर मलयेशिया की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। यह शिकायत मलयेशिया की कम्युनिकेशंस एंड मल्टीमीडिया कमीशन (एमसीएमसी) की ओर से की गई है। ऐसे में हंटर का दावा है कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं थी और जो समन भेजे गए थे, वो उनके पास नहीं पहुंचे। जब एक समन उनके पड़ोसी ने भेजा, तब वहां के स्थानीय पुलिस ने भी इसे संभावित धोखाधड़ी बताया था।

क्या कहना है हंटर का? हंटर का कहना है कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो अब किसी भी पत्रकार या लेखक को इस तरह दूसरे देश की सरकार दबा सकती है। उन्होंने कहा कि अगर एक देश दूसरे देश की पुलिस से ऐसे मदद लेकर आलोचकों को गिरफ्तार करवा सकता है, तो यह प्रेस की आज़ादी के लिए बड़ा खतरा है।

वहीं इस मामले में मलयेशिया ने भी अपनी सफाई दी। एमसीएमसी ने कहा कि उन्होंने हंटर के खिलाफ मलयेशिया और थाईलैंड में पुलिस रिपोर्ट दर्ज की थी और मलयेशिया में एक दीवानी मुकदमा भी चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि थाई पुलिस ने जो समन भेजे थे, हंटर ने उनका पालन नहीं किया, इसी कारण गिरफ्तारी हुई। एमसीएमसी ने कहा कि वे थाईलैंड की न्याय प्रक्रिया का सम्मान करते हैं।

हंटर को मिल रहा समर्थन: गौरतलब है कि लेखक और पत्रकार हंटर की गिरफ्तारी के बाद सैकड़ों सवाल खड़े हो रहे है। इसके अलावा उन्हें पत्रकारों के समूह से समर्थन भी मिल रहा है। मामले में मलयेशिया की स्वतंत्र पत्रकारिता केंद्र और पीईएन मलयेशिया जैसे संगठनों ने इस गिरफ्तारी की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अगर यह मामला सिर्फ राजनीतिक आलोचना को दबाने के लिए किया गया है, तो यह संविधान में दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ है।

बलोचिस्तान के शेरानी में 7 बलोच लड़ाके मारे गए

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को यहां दावा कि सुरक्षाबलों ने बलोचिस्तान के शेरानी ज़िले में एक खुफिया अभियान के दौरान सात बलोच लड़ाकों को मार गिराया ।

समाचारपत्र डान ने सेना की मीडिया मामलों की शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर)के हवाले से यह खबर दी। सेना के मुताबिक एक अक्तूबर को सुरक्षाबलों ने शेरानी में उग्रवादी संगठन फितना अल खवारिज से जुड़े लड़ाकों की कथित मौजूदगी का पता चलने पर एक अभियान चलाया जिसमे उग्रवादियों के ठिकानों पर प्रभावी ढंग से हमला किया गया। हमले के दौरान भीषण गोलीबारी के बाद सात लड़ाकों के मारे जाने की खबर है। सेना ने इस संगठन के तार भारत से जुड़े होने का आरोप लगाया और बलोचिस्तान में जारी संघर्ष को भारत प्रायोजित करार दिया। फितना अल खवारिज शब्द का इस्तेमाल सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े उग्रवादियों के लिए करती है। बयान के अनुसार , लड़ाकों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए । ये लोग देश विरोधी कई गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। इलाके में छिपे अन्य उग्रवादियों की पहचान के लिए तलाशी अभियान जारी है। सेना ने कथित रूप से भारत प्रायोजित उग्रवाद के खतरे को खत्म करने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के राष्ट्र के प्रति कृतसंकल्पित होने की बात कही है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है।

अमेरिका में शटडाउन के बीच ट्रंप ऑनलाइन हुए सक्रिय; सोशल मीडिया पर डेमोक्रेट्स पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जब हजारों संघीय कर्मचारी सरकार के शटडाउन के कारण घर पर रहे और संभावित बर्खास्तगी का सामना कर रहे थे तभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गए। उन्होंने पहले अपने समर्थकों द्वारा किए गए प्रशंसापत्र साझा किए।

इसके बाद ट्रंप ने गलत दावा किया कि डेमोक्रेट्स आपका हेल्थकेयर पैसा अवैध प्रवासियों को देना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने घोषणा की कि वे अपने शीर्ष बजट सलाहकार से मिलेंगे ताकि यह तय किया जा सके कि किन संघीय कार्यक्रमों में स्थायी कटौती की जाए, जिन्हें उन्होंने राजनीतिक घोटाला बताया।

यह सब सुबह 8 बजे से पहले ही हो गया, जबकि सरकार का शटडाउन दूसरे दिन में प्रवेश कर चुका था। ट्रंप इस जटिल स्थिति का सामना करने के लिए सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने का रास्ता चुनते दिखाई दिए। 79 वर्षीय राष्ट्रपति के लिए यह लगातार ऑनलाइन सक्रियता असाधारण रही और उनके प्रशासन का शेष हिस्सा भी डेमोक्रेट्स पर तंज कसने और आलोचना करने में अधिक रुचि दिखा रहा है बजाय

कि उनके साथ बातचीत करने के।

सरकारी वेबसाइटों पर पॉप-अप संदेशों में रैडिकल लेफ्ट को शटडाउन के लिए जिम्मेदार ठहराया गया, जो गैर-पक्षपाती एजेंसियों के लिए असामान्य राजनीतिक संदेश है। जब पत्रकार व्हाइट हाउस प्रेस ऑफिस को ईमेल भेजते हैं, तो उन्हें स्वचालित उत्तर मिलता है जिसमें धीमी प्रतिक्रिया के लिए डेमोक्रेट शटडाउन के कारण स्टाफ की कमी को जिम्मेदार बताया गया है।

शटडाउन के लिए ट्रंप जिम्मेदार: ट्रंप का व्हाइट हाउस राजनीति में आक्रामक और कड़ा रुख अपनाने का आदी है। यह शैली पिछले साल के अभियान से जारी है, जिसे आलोचक निर्दयी और प्रतिशोधी मानते हैं। प्रशासन अक्सर अपने विपक्षियों को निशाना बनाने का मौका नहीं छोड़ता। ट्रंप ने पिछली बार के सरकारी शटडाउन (दिसंबर 2018 से जनवरी 2019) के दौरान भी ऐसा ही ऑनलाइन रवैया अपनाया था। उस समय 30वें दिन उन्होंने 40 ट्वीट किए, जिनमें हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी की आलोचना और संघीय कर्मचारियों के कठिन परिश्रम के लिए धन्यवाद शामिल था।

उस समय अधिकांश जिम्मेदारी ट्रंप पर डाली गई थी। एपी-एनओआरसी पोल के अनुसार लगभग 70 प्रतिशत अमेरिकी मानते थे कि इस शटडाउन के लिए ट्रंप जिम्मेदार थे। अंततः ट्रंप अपनी सीमा पर दीवार के लिए फंडिंग की मांग छोड़कर सरकार को फिर से कर चुके थे।

नवीन पदस्थापना पर सीईओ जिला पंचायत अंशुमन राज का सम्मान, अधिकारियों ने साझा किए अनुभव

कलेक्टर ने नवीन पदस्थापना के लिए दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। निवर्तमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सीधी अंशुमन राज (आईएएस) का सम्मान समारोह आज आयोजित किया गया। राज का स्थानांतरण प्रबंध संचालक स्वान भोपाल के पद पर किया गया है तथा उन्हें संचालक, राज्य कम्प्यूटर सिक्योरिटी इंसीडेंट रिस्पांस टीम भोपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

समारोह में उद्बोधन देते हुए अंशुमन राज ने कहा कि सीधी जिले में कार्य करने का अनुभव उनके लिए अत्यंत शिक्षाप्रद एवं सकारात्मक रहा। कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन में उन्हें सीईओ जिला पंचायत के साथ-साथ अपर कलेक्टर के रूप में भी कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि कार्य की स्वतंत्रता एवं विश्वास से उन्हें नई ऊर्जा एवं दिशा मिली। यहां की अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम से भी उन्हें सतत सहयोग प्राप्त हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि प्रशासनिक सेवा नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम है। इस दायित्व का सदुपयोग करते हुए जनहित एवं जनकल्याण के लिए कार्य करना ही वास्तविक लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी पदस्थापना के दौरान उन्होंने तकनीकी साधनों के माध्यम से कार्यप्रणाली को सरल, पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने का प्रयास किया, जिससे अधिकारी-कर्मचारी बिना किसी दबाव के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने निवर्तमान सीईओ जिला पंचायत को नवीन पदस्थापना हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा उनकी कार्यशैली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अंशुमन राज उत्कृष्ट कार्यक्षमता एवं सशक्त व्यक्तित्व के धनी अधिकारी हैं। सीईओ जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर के रूप में उन्होंने चुनौतीपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनकी नवीन पदस्थापना उनकी योग्यता एवं प्रतिभा के अनुरूप है। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, चुरहट शैलेश द्विवेदी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों ने अंशुमन राज के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान पिकअप पलटने से नाबालिग की मौत, 5 घायल

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहा एक पिकअप वाहन शुक्रवार सुबह बेकाबू होकर पलट गया। इस हादसे में वाहन के नीचे दबने से किशोर मुकेश कोल (16) की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं पांच से अधिक लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं। वाहन में 20 से अधिक लोग सवार थे और वे सिंहपुर के बोडरी गांव से अमरकंटक प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रहे थे।

घटना धनपुरी थाना क्षेत्र के मुड़कटिया नाला के पास सुबह करीब 5 बजे हुई। वाहन के बेकाबू होकर पलटने के बाद उसमें सवार लोगों ने स्वयं ही पलटे हुए पिकअप को सीधा करने का प्रयास किया ताकि दबे हुए किशोर को निकाला जा सके। हालांकि, जब तक मुकेश को बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने घायलों को धनपुरी अस्पताल पहुंचाया: घटना की सूचना मिलने पर धनपुरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को तत्काल उपचार के लिए धनपुरी अस्पताल पहुंचाया। धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पेंदरो ने बताया कि दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पिकअप वाहन पलटने से एक किशोर की मौत हुई है।

गुरुवार शाम को गोहपारू थाना क्षेत्र में भी दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक हादसा हुआ था। नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण प्रतिमा विसर्जन कर रहे दो लोग तेज बहाव में बह गए थे। उनकी तलाश के लिए शुक्रवार सुबह से एसडीआरएफ और पुलिस द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

तहसीलदार का वाहन डिवाइडर से टकराया, दुर्गा विसर्जन से लौटते समय फटा टायर; घायल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। गुरुवार देर रात बरगवां तहसीलदार का वाहन बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गया। इस हादसे में तहसीलदार नागेश्वर पनिका और उनके चालक घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में तहसीलदार को मामूली चोटें आईं, जबकि चालक को कांच के टुकड़े लगे। घटना की सूचना मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को पहले ट्रामा सेंटर और फिर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बैढ़न के टॉकीज तिराहे पर घटना: यह घटना बैढ़न के टॉकीज तिराहे के पास हुई। तहसीलदार नागेश्वर पनिका ने बताया कि रात करीब 12 बजे वे अपनी सरकारी गाड़ी से दुर्गा विसर्जन का मुआयना कर अपने सरकारी आवास लौट रहे थे। तभी अचानक वाहन का अगला टायर फट गया। गाड़ी की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक उसे तुरंत नियंत्रित नहीं कर पाया और वाहन बेकाबू होकर डिवाइडर से जा टकराया।

गढ़ी मडवास में बैदिक मंत्रोचारण से हुआ राज गद्दी पूजन, मडवास राजघराने में आयोजित हुआ दशहरा मिलन समारोह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सदियों से चली आ रही राजघराने की परंपरा के अनुसार, प्रत्येक वर्ष दशहरा के उपलक्ष्य में मडवास क्षेत्र के लोग गढ़ी मडवास में राजा के दर्शन हेतु पहुंचते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में, बीते दिन मडवास गढ़ी में विशाल दशहरा मिलन समारोह बड़े धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान मडवास राजघराने की प्राचीन गद्दी और किले के समस्त शस्त्रों का राजपुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन कराया गया।

पूजन के बाद, मडवास रियासत के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों के लोग राजा साहब मडवास की एक झलक पाने के लिए गढ़ी पहुंचे। राजा साहब अभ्युदय सिंह का श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया।

यह परंपरा मडवास राजघराने से चली आ रही है, जहां पीढ़ी दर पीढ़ी क्षेत्रवासी अपने राजा को पुष्पगुच्छ और श्रीफल से अभिनंदन करते हैं। मान्यता है कि दशहरे के दिन राजा का नीलकंठ पका दर्शन शुभ माना जाता है, इसलिए लोग अपने राजा के दर्शन के लिए उमड़ते हैं। भले ही राजशाही का दौर खत्म हो गया हो, लेकिन मड़वास और उसके आसपास के लोग आज भी दशहरे के दिन किले में पहुंचते हैं, गद्दी पूजन में भाग लेते हैं और राजा साहब को अन्नदाता मानते हैं।

इस अवसर पर क्षेत्रवासियों के लिए विशेष स्वल्पाहार और दशहरे के दिन खाए जाने वाले पान का आनंद भी लिया गया। दशहरा मिलन समारोह में प्रमुख जनों में धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, थाना प्रभारी भूपेश सिंह वैस, और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने गांधीजी के आदर्शों और स्वदेशी की भावना को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी मारी, मौत; बेटे को किया कॉल- तेरी मां को मार डाला, फिर मोबाइल स्विच ऑफ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कोतर कला इलाके में दशहरे की शाम पति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। घटना के बाद आरोपी ने बेटे को कॉल किया कि तेरी मां को मार डाला। इसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया।

मृतका की पहचान पूजा कोल के रूप में हुई है, जो अपने पति राजबहोर कोल के साथ कोतर कला में किराए के मकान में रहती थी। पुलिस के अनुसार, गुरुवार शाम करीब साढ़े 5 बजे पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ।

विवाद बढ़ने पर पति ने पत्नी पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी पत्नी पर शक करता था।

आरोपी पति ने बेटे को हत्या की जानकारी दी: मृतका के बेटे रौनक ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने उसे फोन कर मां की हत्या की जानकारी दी और तुरंत घर पहुंचने को कहा। इसके बाद उन्होंने अपना फोन बंद कर लिया। रौनक जब घर पहुंचा, तो उसकी मां खून से लथपथ जमीन पर पड़ी थी और उसकी मौत हो चुकी थी। रौनक ने पड़ोसियों और फिर पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए। कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल ने पुष्टि की कि पति ने अपनी पत्नी की हत्या की है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है और मामले की गहन जांच जारी है।

नशे में युवक ने दुर्गा पंडाल में की तोड़फोड़, टीआई बोले- शिकायत पर लेंगे एक्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मयापुर गांव में नवरात्रि पर्व के दौरान एक दुर्गा पंडाल में तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। गुरुवार सुबह लगभग 10 बजे अनीश द्विवेदी (27 वर्ष) नामक युवक ने शराब के नशे में पंडाल में उत्पात मचाया। आरोपी की पहचान अनीश द्विवेदी पिता अशोक द्विवेदी, निवासी मयापुर के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब गांव में कन्या पूजन चल रहा था, तब अनीश द्विवेदी ने पंडाल में घुसकर देवी-देवताओं के पोस्टर फाड़ दिए। उसने सजावट की सामग्री और पंडाल में रखे सामान को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। युवक ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि अनीश द्विवेदी अक्सर शराब के नशे में विवाद करता है और गांव में अशांति फैलाता रहता है।

ग्रामीण राजाराम पनिका ने बताया कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और आए दिन मारपीट व झगड़े करता है। इस बार उसने धार्मिक आयोजन को निशाना बनाया है। घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिससे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने बहरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है और आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

थाने में नहीं पहुंची शिकायत: थाना प्रभारी बहरी राजेश पांडे ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से औपचारिक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने लगाया फर्जी वीडियो बनाकर बदनाम करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। द्वारिका नगर, थाना अमहिया निवासी आकांक्षा त्रिपाठी ने पुलिस महानिरीक्षक को शिकायत पत्र देकर सोशल मीडिया में फर्जी वीडियो वायरल कर उसे बदनाम करने का आरोप लगाया है। आकांक्षा ने कहा कि इस मामले में उसके पति निर्मल तिवारी, जेठ सतीश तिवारी, और ससुर राधिका प्रसाद तिवारी, निवासी गंगापुर गली नंबर 5 धवारी थाना कोतवाली जिला सतना का हाथ है।

आकांक्षा ने बताया कि उसने अपने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज कराया था, जिसके बाद उन लोगों ने चारित्रिक बदनाम करने के लिए यह साजिश रची है। पीड़िता ने अपने पति के कथित महिला मित्र माधुरी त्रिपाठी और पति निर्मल तिवारी के साथ जेठ व ससुर पर बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 30 अगस्त को मोबाइल नंबर 7509010202 और

9165047251 से सोशल मीडिया और न्यूज मीडिया ग्रुप में उनके खिलाफ विद्वेषपूर्ण आशय से वीडियो वायरल किया गया। इस वीडियो में दिखाया गया है कि आकांक्षा त्रिपाठी अपने तीन साल के रिश्ते में एक व्यक्ति के साथ शराब पार्टी कर रही हैं।

आकांक्षा ने कहा कि जिस घर का वीडियो बनाया गया है, वह घर किसका है, और वायरल करने वाले ने इसे कहां से प्राप्त किया, इसकी जानकारी उन्हें

नहीं है। जब उनके परिचितों ने यह वीडियो भेजा, तो वह काफी अपमानित और लज्जित महसूस कर रही हैं। आकांक्षा ने कहा कि यह वीडियो उनकी निजता का उल्लंघन है और आईटी एक्ट के तहत दंडनीय है। उन्होंने मांग की है कि वायरल किए गए वीडियो के संबंध में आईटी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जाए। आकांक्षा ने आशंका जताई है कि इस वीडियो में उनके पति, जेठ और पति की महिला मित्र का भी हाथ हो सकता है।

टिकरी में दिव्यांग शिविर सम्पन्न, प्रमाण पत्र वितरण से लाभांवित हुए हितग्राही

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु आयोजित शिविरों की श्रृंखला के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम पंचायत भवन टिकरी जनपद पंचायत मझौली में दिव्यांग शिविर का सफल आयोजन किया गया।

इस शिविर में कुल 21 दिव्यांगजनों का पंजीकरण/चिन्हांकन किया गया तथा 02 लाभार्थियों को तत्काल यूडीआईडी कार्ड (दिव्यांगता प्रमाण पत्र) जारी किए गए।

शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड की टीम द्वारा लाभार्थियों का परीक्षण कर पात्रता का निर्धारण किया गया। मेडिकल बोर्ड में डॉ. के. बी. प्रजापति एवं डॉ. रवि पटेल सम्मिलित रहे।

शिविर के संचालन एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन

अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा द्वारा किया गया। समग्र अधिकारी नारायण बैगा ने पंचायत स्तर पर लाभार्थियों की उपस्थिति एवं सुविधा सुनिश्चित की। वहीं जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से शिवांसु शुक्ला ने दस्तावेज़ों की जाँच, लाभार्थियों को मार्गदर्शन एवं प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

डॉक्टर 30 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार, पीएम रिपोर्ट में सर्पदंश लिखने के लिए मांगी थी 1 लाख की घूस

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में लोकायुक्त रीवा की टीम ने कार्रवाई करते हुए चितरंगी स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमरजीत सिंह और सुपरवाइजर राजकुमार वैश्य को 30,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत पीएम रिपोर्ट में सर्पदंश लिखने के एवज में मांगी गई थी।

लोकायुक्त रीवा के निरीक्षक संदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि बगैया गांव की फूलमती सिंह ने 30 सितंबर 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी। उनके पति जयपाल सिंह की मौत जून महीने में सांप के काटने से हुई थी। पीएम रिपोर्ट में सर्पदंश दर्ज करने के लिए डॉ. अमरजीत सिंह और राजकुमार वैश्य ने कुल एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

स्वास्थ्य केंद्र में दबोचा: शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त संभाग रीवा के पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पाटीदार ने शिकायत का सत्यापन करवाया। रिश्वत की मांग की पुष्टि होने पर एक टीम गठित की गई। शुक्रवार को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर डॉ. अमरजीत सिंह को 30,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक संदीप सिंह भदौरिया, निरीक्षक एस. राम मरावी सहित टीम के अन्य अधिकारी शामिल रहे।

कई 'रावण' जिंदा हैं!

संपादकीय

रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद के पुतले जला कर 'विजयादशमी' का त्योहार मनाया गया। आम आदमी प्रसन्न है। नई पोशाकें पहनी गईं, पटाखे छोड़े गए, मिठाइयां खाई गईं। यह खुशी किस बात की है। क्या वाकई असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई, रावणत्व पर रामत्व की जीत हुई? यह हमारा मुगालता है। कुंभकर्ण और मेघनाद के भीतर भी 'रावण' की चेतना थी। रावण का अहंकार था। रावण का वर्चस्ववाद था। एक खलनायकत्व भी था, हालांकि लंकापति रावण त्रिकालदर्शी था, प्रकांड पंडित था। यह प्रभु राम ने भी उस पर विजय हासिल करने के बाद स्वीकारा था। हम रावण के पुतले आज भी जलाकर छद्म संतुष्टि और विजय के भ्रम में हैं। दरअसल हम रावण को भूल नहीं सकते। भूलना भी नहीं चाहते, लिहाजा आज कई रावण जिंदा हैं। उनके रूप, रंग, योनि, नस्ल और कर्म अलग-अलग हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत ने आतंकवाद और नक्सलवाद का जिक्र अपने 'दशहरा संबोधन' में किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कुछ शक्तियों, साजिशों का उल्लेख किया, जो संघ को कुचलने, नष्ट करने में संलग्न रहीं। ये 'रावण' नहीं, तो और क्या हैं? भागवत ने पहलगाम नरसंहार के संदर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। आतंकियों ने धर्म पूछ कर 26 मासूम, बेगुनाह जिंदगियों पर विराम लगा दिया था। उनकी हत्या कर दी थी। यह 'रावणत्व', राक्षसी व्यवहार नहीं, तो और क्या था? नतीजतन राम रूपी भारतीय सेना को पाकिस्तान के 11 एयरबेस, रनवे, रडार सिस्टम आदि की 'लंका' को विनष्ट करना पड़ा। आज विश्व में कई युद्ध जारी हैं और परमाणु युद्ध के आसार पुख्ता होते जा रहे हैं। धमकियां दी जा रही हैं। विमान, बॉम्बर आसमान में उड़ते दिखाई दे रहे हैं और समंदर में भी उथल-पुथल जारी है। इनके मायने क्या हैं? गाजा पट्टी के इलाके में इजरायल की सेना ने 65,000 से अधिक मासूमों, आम औरतों और बच्चों को मार दिया, लाखों को विस्थापित होना पड़ा, भुखमरी के आर्त्तनाद सुने जा सकते हैं और चारों ओर खंडहर, मलबे के ढेर दिखते हैं। यह विनाश किसने कराया और क्यों कराया? वह 21वीं सदी का 'राक्षस रावण' है, जो सिर्फ अपहरण के जरिए बहन के अपमान का प्रतिशोध नहीं लेता, बल्कि कई दुनियाओं का अस्तित्व ही मिट्टी में मिला देता है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन आज भी, साढ़े तीन साल बाद भी, यूक्रेन पर विनाशकारी हमले करवा रहे हैं। उनके आदेश पर, उनकी सेना, एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र को अस्तित्वहीन करने पर क्यों आमादा है? वहां भी आम लोगों की हत्याएं की जा रही हैं। लोग विस्थापित होकर पड़ोस के देशों में शरण ले रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवसः जीवन बचाने का सबसे बड़ा महादान

सुरेश सिंह बैसशाश्वत

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस हर साल 01 अक्टूबर को मनाया जाता है। अब रक्तदान के जरिए लोगों की जान बचाने के लिए जागरुकता फैलाने के लिए इसे प्रतिष्ठित किया जा रहा है। हर साल दुनिया भर में लाखों लोग रक्त और प्लाज्मा दान करने का निर्णय लेते हैं। हर साल राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस जैसे रक्तदान कार्यक्रमों में लोग क्यों हिस्सा लेते हैं? इसके कई कारण हैं। सबसे पहले, यह कई लोगों के जीवन को बचाने का एक तरीका है जो बीमारियों और स्थितियों से प्रभावित हैं। इसके अलावा, रक्तदान करने से ये रोगी अपना चिकित्सा उपचार जारी रख सकेंगे, जिससे उन्हें बीमारी से बचने के बेहतर मौके मिलेंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें अपनी दवाओं या दवाओं को छोड़ना होगा अगर वे उन्हें लेने में असहज महसूस करते हैं तो वे हमेशा उनसे पीछे हटने का विकल्प चुन सकते हैं। कोरोनावायरस, एचआईवी / एड्स, हेपेटाइटिस आदि जैसी बीमारियों से प्रभावित पुरुषों और महिलाओं के जीवन को बचाना।इस दिन, दुनिया के विभिन्न देशों से पुरुषों और महिलाओं सहित स्वयंसेवक, जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए रक्त और प्लाज्मा दान करते हैं।

यदि आप उन लोगों में से एक हैं जो मदद करना चाहते हैं और रक्त दान और प्लाज्मा दान में भाग लेने का समय नहीं पा सकते हैं, तो आप अपना रक्त साझा करके इसकी भरपाई कर सकते हैं। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के दौरान अन्य लोगों की मदद करने का यह सबसे आसान तरीका है। रक्तदान का महत्व न केवल जीवन से वंचित हजारों लोगों के जीवन को बचाने के लिए है, बल्कि कई अन्य लोगों के जीवन को बचाने के लिए भी है जो विभिन्न बीमारियों से प्रभावित हैं और उन्हें कई बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। अधिकांश लोग जो अपना रक्त दान करते हैं वे अपनी बीमारियों से तेजी से ठीक हो जाते हैं और लंबा जीवन भी जीते हैं, यह वजन घटाने में भी मदद करता है, स्वस्थ यकृत और लोहे के स्तर को बनाए रखने में, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करता है।

हम आपकी रक्तदान से जुड़ीं भ्रांतियों को दूर करते हैं और इस महादान से संबंधित जरूरी बाते आपको बताते हैं - एक औसत व्यक्ति के शरीर में दस यूनिट यानी (5-6 लीटर) रक्त होता है। रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल एक यूनिट रक्त ही लिया जाता है। कई बार केवल एक कार एक्सीडेंट (दुर्घटना) में ही, चोटील व्यक्ति को सौ यूनिट तक के रक्त की जरूरत पड़ जाती है। एक बार रक्तदान से आप तीन लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। भारत में सिर्फ सात प्रतिशत लोगों का ब्लड ग्रुप ह्न नेगेटिव है। ह्न नेगेटिव ब्लड ग्रुप यूनिवर्सल डोनर कहलाता है, इसे किसी भी ब्लड ग्रुप के व्यक्ति को दिया जा सकता है। इमरजेंसी के समय जैसे जब किसी नवजात बालक या अन्य को खून की आवश्यकता हो और उसका ब्लड ग्रुप ना पता हो, तब उसे ह्न नेगेटिव ब्लड दिया जा सकता है। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलिफ नहीं होती हैं। कोई व्यक्ति 18 से 60 वर्ष की आयु तक रक्तदान कर सकता हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्प्रेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। हर कोई रक्तदान नहीं कर सकता। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। अगर कभी रक्तदान के बाद आपको चक्कर आना, पसीना थे वो आना, वजन कम होना या किसी भी अन्य प्रकार की समस्या लंबे समय तक बनी हुई हो तो आप रक्तदान ना करें।

1947 में मिली आज़ादी, एक स्वर्ण किरण थी! हमने तिरंगा फहराया, राष्ट्रगान गाया और एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में साँस ली। पर क्या वो स्वतंत्रता पूरी थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया उद्घोष –भारत का सबसे बड़ा दुश्मन कोई विदेशी ताक़त नहीं, बल्कि हमारी निर्भरता है! इस गहन प्रश्न को एक बार फिर से जीवंत कर गया है। यह सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक विवेक को झकझोरने वाला सत्य है, जो हमें उस शीशे के सामने खड़ा कर देता है जहाँ हमारी राजनीतिक आज़ादी की चमक, आर्थिक और डिजिटल पराधीनता की धुंध में खोई हुई दिखती है।

आर्थिक स्वतंत्रता का नया अध्याय

डॉ नीलम महेंद्र

कल्पना कीजिए एक विशाल वृक्ष की, जिसकी जड़ें तो अपनी मिट्टी में हैं, पर उसकी शाखाएँ और फल दूसरों के बगीचे में उग रहे हों। कुछ ऐसी ही स्थिति रही है हमारी। हमारे सैनिक, जो देश की सीमा पर सीना ताने खड़े हैं, उनके हथियार अक्सर विदेशी फ़ैक्ट्रियों से आते रहे। हमारे युवाओं के सपनों को पंख देने वाले विश्वविद्यालय अक्सर सात समंदर पार पाए गए। और हमारी डिजिटल धड़कनें वे अमेरिकी कंपनियों के अदृश्य एल्गोरिद्म के इशारों पर नाचती रहीं। यह कैसी आज़ादी है, जहाँ हम शरीर से स्वतंत्र हैं पर आत्मा से अभी भी बंधे हुए हैं

क्या आपने कभी सोचा है कि हमारी अर्थव्यवस्था की नसों में कौन-सा रक्त बह रहा है PwC, Deloitte, EY और चक्क्ल ङ्क ये चार विशालकाय कंपनियाँ, जिन्हें हम बिग फोर कहते हैं, दशकों से भारत की आर्थिक धमनियों पर अपना कब्ज़ा जमाए बैठी हैं। PwC ने तो 1880 में ही कोलकाता में अपने तंबू गाड़ दिए थे ङ्क जब भारत में अंग्रेज़ों का राज था! EY 1914 से यहाँ है, Deloitte 1976 से और KPMG 1993 से।

सोशल मीडिया पर इन कंपनियों द्वारा भारत से लूटे जा रहे अरबों-खरबों रुपयों की बहस छिड़ी रहती है ङ्क कोई 38,000 करोड़ कहता है, कोई 45,000 करोड़। पर असली खेल पैसों का नहीं, बल्कि डेटा का है! ह्स्थ्र में सूचीबद्ध कंपनियों ने पिछले साल लगभग 1,903 करोड़ ऑडिट फ़ीस दी, जिसमें से बिग फोर का हिस्सा 550ङ्क600 करोड़ था। यह रकम भले ही छोटी लगे, पर इसका महत्व कुबेर के खजाने से कम नहीं।

ये फर्में जानती हैं कि कौन-सी भारतीय कंपनी कहाँ से कच्चा माल खरीदती है, किस भाव बेचती है, किस सेक्टर में हमारी ताकत है और कहाँ हमारी नसें कमजोर हैं। यह जानकारी सोने से भी ज़्यादा कीमती है! यही वो खुफिया जानकारी है जिसका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियाँ हमें BBB या BBB- जैसी रैंकिंग थमाने के लिए करती हैं। यानी, हमारा ही डेटा हमारे खिलाफ़ एक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि यह सिर्फ व्यापार का मामला नहीं बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का हृदय-भेदी प्रश्न है!

इस अदृश्य खतरे को चीन ने बहुत पहले पहचान लिया था। वहाँ विदेशी ऑडिट फर्मों पर ड्रैगन की कड़ी निगरानी रहती है। PwC को तो चीन में उसकी रियल एस्टेट कम्पनी Evergrande मामले में भारी आर्थिक दंड और छ माह का प्रतिबंध भी भुगतना पड़ा था।

रूस ने भी यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी सेवाओं को सीधे-सीधे रेड कार्ड दिखा दिया और VK तथा Telegram जैसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म खड़े कर लिए। ये देश दुनिया को चिल्ला-चिल्लाकर बता रहे हैं कि आत्मनिर्भरता केवल एक जोशीला नारा नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता का अंतिम गढ़ है।

अब भारत भी उसी चौराहे पर खड़ा है, जहाँ उसे अपना रास्ता खुद बनाना है। मोदी सरकार का सपना है कि भारत अपनी खुद की ग्रुप ऑफ फोर फर्मों का निर्माण करे। ऐसी भारतीय कंपनियाँ, जो न केवल हमारे देश की कंपनियों का ऑडिट करें, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी विश्वसनीयता का लोहा मनवाएँ। हालांकि यह चुनौती आसान नहीं है क्योंकि Deloitte या PwC जैसी कंपनियों ने सौ साल में अपना साम्राज्य खड़ा किया है, पर यह असंभव भी नहीं है!

पर असली युद्ध तो डिजिटल रणभूमि में लड़ा जा रहा है! सुबह आँख खुलते ही हम WhatsApp खोलते हैं, दिन भर YouTube या Instagram पर सर्फ करते हैं, और शाम को Facebook पर अपनी ज़िंदगी की कहानियाँ पोस्ट करते हैं। ये सब अमेरिकी कंपनियों के प्लेटफॉर्म हैं, जिनकी अदृश्य डोरियों से हमारे विचार और भावनाएँ नियंत्रित होती हैं। उनके एल्गोरिदम तय करते हैं कि कौन-सी खबर आपको दिखेगी, किसका वीडियो वायरल होगा, और कौन-सी आवाज़ दब जाएगी।

जब चीन WeChat और Weibo बना सकता है, और रूस VK तथा Telegram खड़ा कर सकता है, तो भारत क्यों पीछे रहे प्रश्न यह नहीं कि क्या हम बना सकते हैं। प्रश्न यह है कि क्या हम चाहेंगे कि हमारी सोच, हमारी संस्कृति, और हमारी राष्ट्रीय पहचान पर हमेशा विदेशी कंपनियों का अदृश्य नियंत्रण बना रहे यह हमारी डिजिटल आत्मा की स्वतंत्रता का प्रश्न है!

कुछ यही हाल शिक्षा क्षेत्र का है। हर साल लाखों भारतीय छात्र विदेशों में पढ़ने जाते हैं और लगभग तीन-चार लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम फीस चुकाते हैं। और फिर यह प्रतिभाशाली बच्चे वहीं नौकरी पकड़ लेते हैं। यह हमारे प्रतिभाशाली युवा ज्ञान का पलायन है, जो हमें भीतर से खोखला कर रहा है। समस्याएं अनेक हैं लेकिन इन सबका हल एक ही है, आत्मनिर्भरता।

हमें अपनी अकाउंटिंग फ़र्मों को विश्वस्तरीय बनाना होगा, अपने स्वदेशी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म खड़े करने होंगे, जो हमारी संस्कृति और आवाज़ को बुलंद करें। साथ ही हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को इतना मज़बूत करना होगा कि हमारे बच्चे विदेश जाने के बजाय यहीं अपने सपनों को पंख दें। अपनी रक्षा इंडस्ट्री को सही मायने में आत्मनिर्भर बनाना होगा। और सबसे बढ़कर, हमें अपने नागरिकों और निवेशकों का अटूट भरोसा जीतना होगा। इसके लिए सरकार को साहसी और दूरगामी कदम उठाने होंगे जिससे निजी क्षेत्र आगे आकर इस क्रांति में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित हो।क्योंकि यह लड़ाई केवल नीतियों की नहीं, बल्कि सोच की भी है।

आज का भारत उस ऐतिहासिक मोड़ पर है, जहाँ से वह अपना भाग्य खुद लिख सकता है। 1947 में हमने राजनीतिक स्वतंत्रता हासिल की थी। अब वक्त है आर्थिक और डिजिटल स्वतंत्रता हासिल करके आत्मनिर्भर होने का।

गौवंश बचेगा तो सनातन बचेगा:अभिनेता विवेक ओबेरॉय

मुंबई (विभूति फीचर्स)। सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता विवेक ओबेराय ने गौवंश और सनातन धर्म पर कहा है कि हमारे देश का आधार गौमाता है। अगर गौवंश रहेगा तो ही सनातन धर्म सुरक्षित रहेगा। फिल्म अभिनेता विवेक ओबेराय ने गौवंश और सनातन धर्म की महत्ता बताते हुए कहा कि मेरे पिता जी (सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय) ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक गौमाता की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए पदयात्रा निकाली। वे किसानों से मिले और कई महीनों तक सुदूर के गांव - गांव तक गए। उन्होंने गौमाता का देश की आर्थिक संरचना में योगदान बताते हुए समझाया कि कैसे गौमाता का संरक्षण किया जाए। उन्होंने गौ हत्या की रोकथाम के भी सघन प्रयास किए। विवेक ओबेरॉय ने गौमाता और सनातन धर्म पर विस्तृत उद्बोधन दिया। चर्चित अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने यह बात भारत के पहले गौ वंश पर आधारित राष्ट्रीय समाचारपत्र गऊ भारत भारती की 11वीं वर्षगाँठ पर राष्ट्र सेवा सम्मान समारोह के आयोजन में कही। जुहू इस्कॉन सभागार मुंबई में गुरुदेव आचार्य लोकेश मुनि की अध्यक्षता और सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय के मुख्य अतिथित्व में यह कार्यक्रम हुआ। अन्य अति विशिष्ट अतिथियों के रुप में यहां सद्गुरु डॉ. दयानिधि , विनय गोपाल सिंह , महेंद्र संगोई , सुनील सेठ और विशेष तौर पर हैदराबाद से आए ज्योतिषचार्य कल्याण शास्त्री भी उपस्थित थे। गुरुदेव आचार्य लोकेश मुनि ने भी गऊ भारत भारती और उसके संस्थापक संजय अमान के कार्यों की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि गऊ भारत भारती समाचारपत्र भारत में गौवंश और गौ-आधारित अर्थव्यवस्था पर केंद्रित पहला राष्ट्रीय समाचारपत्र है। गौ माता राज्य माता,स्वर्णिम भारत-संपन्न किसान-उन्नत महाराष्ट्र के ध्येय को लेकर यह समाचार पत्र विगत 11वर्षों से प्रयत्नशील है। गौवंश संरक्षण, गौ-आधारित कृषि, और इसके आर्थिक व सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देने में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यह समाचारपत्र न केवल गौवंश के आर्थिक योगदान पर प्रकाश डालता है, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को भी रेखांकित करता है, जैसे कि गाय को विश्व की माता के रूप में मान्यता देना। यह देशव्यापी चर्चा का हिस्सा बनकर गौ-आधारित अर्थव्यवस्था और सतत विकास को प्रोत्साहित कर रहा है।

बौद्धिक गुलामी से मुक्ति का अभियान है संघ

भविष्य में भी ब्रिटिश राज के खिलाफ विद्रोह की संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने अपने खिलाफ विद्रोह करने वाली कांग्रेस (1885) और मुसलिम लीग (1905) का चयन भी स्वयं ही अत्यंत शातिराना तरीके से किया। यही कारण है कि इन दोनों संस्थाओं का गठन करने वाले लोगों की सूची देखने से स्पष्ट हो जाता है कि वे सभी पश्चिमी संस्कृति का गुणगान करने वाले बौद्धिक गुलाम थे। उनकी लड़ाई भौगोलिक गुलामी के खिलाफ थी, न कि पश्चिमी जगत की बौद्धिक गुलामी के खिलाफ। दरअसल ब्रिटिश सरकार भविष्य में देश से जाते समय भारत की सत्ता इन बौद्धिक गुलामों को सौंपने की तैयारी कर रही थी। महात्मा गांधी अपनी तमाम सीमाओं के बावजूद इस ब्रिटिश षड्यंत्र को समझ रहे थे ...

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी यात्रा के सौ साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर भारत सरकार के डाक विभाग ने एक टिकट जारी किया है। इसी अवसर पर भारत सरकार ने सौ रुपए का एक विशेष सिक्का भी जारी किया है। जाहिर है सौ वर्ष पूरे होने पर संघ का मूल्यांकन और विश्लेषण समाजविज्ञानी अपने अपने तरीके से करेंगे ही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर संघ का मूल्यांकन करते हुए एक महत्वपूर्ण सूत्र दिया है। मोदी के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश को बौद्धिक गुलामी से मुक्त करवाने का प्रयास किया। संघ की नीति को समझने के लिए यह सूत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन सूत्र की तह तक जाने से पहरे 'गुलामी' की अवधारणा को समझ लेना होगा। एक गुलामी भौगोलिक गुलामी होती है और दूसरी गुलामी बौद्धिक होती है। दोनों में क्या अंतर है? पहले भौगोलिक गुलामी की ही बात की जाए। हर देश का अपना भूगोल होता है जो उसकी सीमाएं निर्धारित करता है। उन सीमाओं के भीतर हर एक देश का अपना प्रशासन होता है। यह प्रशासन निश्चित विधि-विधान के अनुसार चलता है। जब कोई देश बल या छल से किसी दूसरे देश पर कब्जा कर ले और उसके प्रशासन को हटा कर अपना प्रशासन थोप दे तो उसे भौगोलिक गुलामी कहा जाता है। उदाहरण के लिए भारत पर मध्य एशिया के तुर्कों ने कब्जा कर लिया। उन्होंने यहां अपना प्रशासन स्थापित कर लिया।

कालांतर में तुर्कों को पराजित कर मध्य एशिया के ही मुगलों ने यहां कब्जा कर लिया। मुगलों से भारत को मुक्त करवा लेने की दहलीज तक भारत के लोग पहुंच ही गए थे कि 1757 के आसपास यहां व्यापार करने के लिए आए इंग्लैंड के अंग्रेजों ने भारत पर कब्जा कर लिया। इस पूरे प्रसंग को भारत की भौगोलिक गुलामी कहा जा सकता है। अब बौद्धिक गुलामी की बात। इसके लिए भौगोलिक गुलामी की भी जरूरत नहीं होती। जब कोई देश किसी दूसरे देश के लोगों के मस्तिष्क और चिंतन पर कब्जा कर ले और उस देश के लोग अपने देश की परंपराओं, आस्था, इतिहास, विरासत, प्रतीकों और चेतना को तिलांजलि देकर दूसरे देश की विरासत, प्रतीकों, इतिहास को अपना लें तो इसे बौद्धिक गुलामी कहा जाता है। इस पृष्ठभूमि में एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) मूल के लोगों द्वारा जब भारत पर कब्जा किया गया था तो उस काल की गुलामी क्या केवल भौगोलिक गुलामी थी या बौद्धिक गुलामी भी थी, इसी प्रश्न का उत्तर ब्रिटिश गुलामी के संदर्भ में भी ढूंढना होगा। सबसे पहले एटीएम काल की गुलामी की बात की जाए। इसमें तो कोई शक नहीं कि यह गुलामी भौगोलिक थी। लेकिन एटीएम मूल के शासकों ने भारत की संस्कृति, इतिहास व आस्था के प्रतीक मंदिरों को तोड़ा। इसके साथ ही भारतीयों को बल-छल से इस्लाम पंथ या शिया पंथ में जाने के लिए विवश किया। सरकारी कामकाज के लिए भारतीय भाषाओं में से किसी भाषा को न अपना कर फारसी भाषा को अपनाया। लेकिन इन शासकों ने देश के सामाजिक ताने-बाने से ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की। जो भारतीय भय या लोभ से इस्लाम पंथ या शिया पंथ में चले भी गए, उन्होंने भी मोटे तौर पर अपनी परंपराएं नहीं छोड़ीं। यही कारण हैं कि गुरु नानक देव जी उसका जिक्र भी करते हैं कि ये मतांतरित लोग घर के अंदर तो पूजा करते हैं और बाहर एटीएम शासकों को खुश रखने के लिए मुसलमान होना दिखाने का प्रयास करते हैं। एटीएम का शासन शहरों तक सीमित था। गांव से उनका संबंध मोटे तौर पर साल में दो बार फसल के वक्त राजकीय हिस्सा वसूलने तक सीमित था।

लेकिन अंग्रेज शासकों का उद्देश्य और राज्य पद्धति इससे अलग थी। उन्होंने देश को भौगोलिक रूप से तो गुलाम बनाया ही, लेकिन वे जानते थे कि कोई भी देश बहुत देर तक किसी दूसरे देश की भौगोलिक गुलामी में नहीं रह सकता। यदि उसको बौद्धिक रूप से गुलाम बना लिया जाए तो कालांतर में भौगोलिक गुलामी की जरूरत ही नहीं रहती। बौद्धिक रूप से गुलाम देश दूसरे देश के 'हिज मास्टर्स वॉयस' बन कर ही रह जाता है और उसको भौगोलिक रूप से गुलाम रखने की जरूरत ही नहीं रहती। अंग्रेजों ने भारत को बौद्धिक रूप से ही गुलाम बनाने की रणनीति अपनाई। इसके लिए यहां नई शिक्षा पद्धति विकसित की। यहां के संस्कृत ग्रंथों और पांडुलिपियों का अंग्रेजी में अपने हितों के अनुकूल अनुवाद करवाया। भारतीय भाषाओं को पूरी शिक्षा पद्धति से बाहर कर दिया। संस्कृत को मृत भाषा घोषित कर दिया। भारतीय सामाजिक व्यवस्था को लेकर ब्रिटिश नौकरशाहों ने ग्रंथ लिखे जिनका जमीनी सच्चाई से कुछ लेना-देना नहीं था। वर्ण का अनुवाद कास्ट किया और जनगणना विभाग के माध्यम से हजारों-हजारों कास्ट और ट्राइब्स की अवधारणाओं को प्रचारित किया और अपनी स्थापनाओं में एक समुदाय को दूसरे समुदाय, एक भाषा को दूसरी भाषा के विरोध में स्थापित किया। अंग्रेजों ने लंबे अरसे तक यह षड्यंत्र जारी रखा जिसका परिणाम यह हुआ कि 1857 की आजादी की प्रथम लड़ाई के बाद वे चौकन्ना हो गए। भविष्य में भी ब्रिटिश राज के खिलाफ विद्रोह की संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने अपने खिलाफ विद्रोह करने वाली कांग्रेस (1885) और मुसलिम लीग (1905) का चयन भी स्वयं ही अत्यंत शातिराना तरीके से किया। यही कारण है कि इन दोनों संस्थाओं का गठन करने वाले लोगों की सूची देखने से स्पष्ट हो जाता है कि वे सभी पश्चिमी संस्कृति का गुणगान करने वाले बौद्धिक गुलाम थे।

उनकी लड़ाई भौगोलिक गुलामी के खिलाफ थी, न कि पश्चिमी जगत की बौद्धिक गुलामी के खिलाफ। दरअसल ब्रिटिश सरकार भविष्य में देश से जाते समय भारत की सत्ता इन बौद्धिक गुलामों को सौंपने की तैयारी कर रही थी। महात्मा गांधी अपनी तमाम सीमाओं के बावजूद इस ब्रिटिश षड्यंत्र को समझ रहे थे। इसीलिए उन्होंने नेहरु से अपील की थी कि अब कांग्रेस को खत्म कर दो, ताकि भारतीय इच्छानुसार अपनी सरकार चुन सकें। लेकिन नेहरु ने सत्ता मिलने के बाद गांधी को दरकिनार कर लार्ड माऊंटबेटन पर ज्यादा विश्वास किया। संघ के संस्थापक भी अंग्रेजों की इस शातिराना योजना को समझ गए थे। यही कारण था कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार के इस भारत विरोधी षड्यंत्र को ध्वस्त करने के लिए 1925 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना की। नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल ठीक कहा है कि संघ पश्चिमी जगत की बौद्धिक गुलामी के खिलाफ लड़ रहा था। बौद्धिक लिहाज से यदि व्यक्ति को 'गुलामी' की अवधारणा स्पष्ट हो जाती तो भौगोलिक गुलामी से लडने की उसकी ताकत सौ गुणा बढ़ जाती है। संघ की आजादी की लड़ाई में यह सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी।

3 युवक अफीम की तस्करी करते गिरफ्तार

दुर्ग, एजेंसी। जिले के भिलाई में 3 युवक अफीम की तस्करी करते पकड़ाए है। उनके पास से 147 ग्राम अफीम मिला है। मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। इनमें 2 आरोपी पंजाब के रहने वाले है। पुलिस और एसीसीयू टीम की संयुक्त कार्रवाई है। आरोपियों से 147 ग्राम अफीम, तीन मोबाइल फोन, नगद रकम और एक हुंडई आई-ऑरा कार जब्त की गई है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। 1 अक्टूबर 2025 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि इंजीनियरिंग पार्क के पास, बद्रीनाथ धर्मकांटा के पीछे गली में एक सफेद रंग की हुंडई आई-ऑरा कार (नंबर छ्त्र 07 छ्ङ्क 6675) में तीन युवक अफीम की बिक्री कर रहे हैं। थाना प्रभारी पुरानी भिलाई अपने स्टाफ और एसीसीयू टीम के साथ बताए गए स्थान पर पहुंचे। पुलिस को देखकर कार सवार आरोपी भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। लवप्रीत सिंह (23 साल), पंजाब का रहने वाला। इसके पास से 45.08 ग्राम अफीम, एक मोबाइल और 21,300 नकद मिला।

हरदीप सिंह (27 साल), पुरानी भिलाई का रहने वाला। इसके पास से 53.72 ग्राम अफीम, एक मोबाइल और 500 नकद। बुध सिंह (22 साल) पंजाब निवासी। 48.08 ग्राम अफीम, एक आईफोन और 1000 नकद जब्त। इसके अलावा आरोपियों की हुंडई आई-ऑरा कार को भी जब्त किया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 18(ए) और 27(क) के तहत मामला दर्ज किया। विधिवत कार्रवाई के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

कलेक्टर उइके ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

गरियाबंद, एजेंसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर श्री भगवान सिंह उइके ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कार्यालय परिसर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर संदेश देते हुए देश की आजादी के आंदोलन को एक नई दिशा दी। गांधी जी का जीवन लोगों को दृढ़ निष्ठा और सत्याग्रह के मार्ग पर चलकर विपरित परिस्थितियों का सामना करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज भी गांधी जी के विचार समाज को एक बेहतर दिशा देने में उपयोगी है। हम सबको उनसे प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर तहसीलदार श्री चितेश कुमार देवांगन, सहायक जनसंपर्क अधिकारी श्री बीके रात्रे, पटवारी श्री मनोज कंवर, श्री विवेक टेंभरे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

राजनांदगांव। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर गांधी जी के प्रिय भजन वैष्णव जनतो ..., रघुपति राघव राजाराम का गायन किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने अधिकारी-कर्मचारियों को नशा मुक्ति के लिए संकल्प दिलाया। इस मौके पर अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, संयुक्त कलेक्टर शीतल बंसल, डिप्टी कलेक्टर श्री अभिषेक शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खड़ी ट्रक से टकराया बाइक तीन युवकों की मौत

राजनांदगांव, एजेंसी। नेशनल हाईवे में स्थित चिचोला-पाटेकोहरा बेरियर के पास बुधवार की सुबह 11 से 12 बजे के आसपास एक खड़ी ट्रक से टकराने से बाईक में सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। चिचोला पुलिस मृतकों की शिनाख्ती में जुटी हुई है। डोंगरगढ़ एसडीओपी आशीष कुंजाम ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पाटेकोहरा बेरियर से नागपुर दिशा में एक ट्रक सड़क किनारे खड़ी थी, इसी दौरान एक बाईक में सवार तीन युवक सीधे खड़ी ट्रक से टकरा गए। मौके पर एक युवक की मौत हो गई जबकि हादसे में घायल दो युवकों की राजनांदगांव के मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक तेज रफ्तार में थे। संभवत¬ बाइक चलाने के दौरान सामने खड़ी ट्रक पर नजर नहीं पड़ी जिसके चलते यह हादसा हुआ।

पेट्रोल पंप पर महिला कर्मचारी की हत्या, चाकू से किए 40 वार

अंबिकापुर, एजेंसी। अंबिकापुर के रिंग रोड चोपड़ापारा स्थित श्री कृपा फ्यूल्स पेट्रोल पंप में गुरुवार की सुबह महिला कर्मचारी की चाकू से गोद-गोद कर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देकर भाग रहे आरोपित को लोगों ने पकड़ पुलिस को सौंप दिया है। बीच-बचाव कर रहे पेट्रोल पंप का एक कर्मचारी भी घायल हुआ है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ पाया गया है। बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम मगाजी शाहपुर निवासी भारती टोप्पो, अंबिकापुर के रिंग रोड चोपड़ापारा स्थित कृपा फ्यूल्स में सेल्स गर्ल का काम करती थी। गुरुवार सुबह वह अन्य कर्मचारियों के साथ काम पर लगी थी। सुबह लगभग पौने बारह बजे मोटरसाइकिल से एक युवक पेट्रोल पंप में पहुंचा। महिला कर्मचारी के नजदीक ही उसने अपनी मोटरसाइकिल खड़ी की। महिला कर्मचारी कुछ समझ पाती इसके पहले ही युवक ने अपने पास रखे चाकू से उस पर वार करने का प्रयास किया।

जान बचाने के लिए भागती रही:युवती वहां से भागी तो आरोपित ने चाकू लेकर उसे पेट्रोल पंप परिसर में ही दौड़ाना शुरू कर दिया। युवती भागने का प्रयास करती रही लेकिन आरोपित ने चाकू से उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। एक के बाद एक चाकू के वार को सहते हुए युवती भागती रही। समूचे परिसर में खून के छींटे गिरते रहे। बीच-बचाव कर रहे संतोष नामक कर्मचारी पर भी युवक ने चाकू से हमला किया।

प्रेम प्रसंग बना हत्या का कारण:प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपित योगेंद्र पैकरा, मूलतः मगाजी कुसमी का रहने वाला है। वह पिछले तीन-चार दिनों से पेट्रोल पंप में आ रहा था। युवती से उसका प्रेम संबंध था। संबंधों में दरार आ जाने के कारण उसने घटना का अंजाम दिया। पकड़ में आने के बाद वह बोल रहा था कि युवती को उसने काफी समझाया था, लेकिन वह समझने को तैयार नहीं थी।

दो दिन पहले उसका मोबाइल भी तोड़ दिया था, इसके बाद भी उसने किसी दूसरे युवक से बातचीत जारी रखा थी। उसने यह भी बोला कि युवती तो अब नहीं रही और उसका जीवन भी बर्बाद हो गया। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए स्पष्ट है कि आरोपित पूरी तैयारी के साथ हत्या की नीयत से ही पेट्रोल पंप पहुंचा था।

मनीष ठाकुर ने विलेज विजन प्लान के कार्यों का किया अवलोकन

बालोद, एजेंसी। केन्द्र सरकार के महत्वाकांआदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित आदि सेवा पखवाड़ा के कार्यो का जायजा लेने भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं केन्द्रीय जनजातीय कार्य मामले के अतिरिक्त सचिव मनीष ठाकुर आज बालोद जिले के एक दिवसीय प्रवास पर पहुँचे। इस दौरान उन्होंने डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम गुजरा एवं दानीटोला में आयोजित विशेष ग्राम सभा में शामिल होकर विलेज विजन प्लान 2030 के कार्यो का अवलोकन किया। इस मौके पर अतिरिक्त सचिव मनीष ठाकुर ने विलेज विजन प्लान 2030 के निर्माण के संबंध में ग्रामीणों एवं जनजातीय परिवार के लोगों से विस्तारपूर्वक चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने आदि सेवा पखवाड़ा के दौरान ग्रामीणों एवं जनजातीय परिवार के लोगों की सहमति से गांवों में मूलभूत सुविधाओं एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु तैयार की गई विलेज मैप का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय प्रतिनिधि एवं अतिरिक्त सचिव ठाकुर ने ग्राम गुजरा एवं दानीटोला में आयोजित विशेष ग्राम सभा में उपस्थित जनजातीय परिवार के लोगों से चर्चा कर उनके गांव एवं अंचल तथा जनजातीय परिवार के लोगों के प्रमुख मांगों एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। केन्द्रीय प्रतिनिधि एवं अतिरिक्त सचिव मनीष ठाकुर के गुजरा पहुँचने पर ग्रामीण एवं जनजातीय परिवार के लोगों तथा बिहान स्व सहायता समूह के दीदियों के द्वारा भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, आदिवासी विकास विभाग के अपर संचालक जितेन्द्र गुप्ता, एसडीएम सुरेश साहू सहित जिला पंचायत सदस्य नीलिमा श्याम, ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच एवं पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनजातीय समाज के लोग उपस्थित थे।

केन्द्रीय प्रतिनिधि एवं अतिरिक्त सचिव मनीष ठाकुर ग्राम पंचायत गुजरा के सभाकक्ष में आदि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विशेष ग्राम सभा में शामिल होकर मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों का परिचय भी प्राप्त किया। ठाकुर ने जनजातीय परिवार के लोगों को उनके कल्याण हेतु संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने तथा गांव एवं आदिवासी अंचलों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु विशेष ग्राम सभा में आयोजित जनजातीय परिवार के लोगों से बारी-बारी से चर्चा कर उनके मांगों एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान केन्द्रीय प्रतिनिधि मनीष ठाकुर ने गांव में शिक्षा का स्तर, प्रमुख फसल, व्यापार व्यवसाय, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल की सुविधाओं की उपलब्धता आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली।

इसके अलावा उन्होंने मौके पर उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता से चर्चा कर आंगनबाड़ी केन्द्र में कुल धात्री एवं गर्भवती माताओं की संख्या के अलावा कुपोषित बच्चों की संख्या में भी जानकारी ली। उन्होंने कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी लाने हेतु किए जा रहे उपायों की भी जानकारी ली तथा इसके लिए जरूरी उपाय सुनिश्चित कराने को कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नीलिमा श्याम ने उपस्थित ग्रामीणों की सहमति से बीमार लोगों को समय पर अस्पताल पहुँचाने हेतु 108 वाहन सुविधा तथा ग्राम गुजरा में पुस्तकालय निर्माण करने की मांग की। केन्द्रीय प्रतिनिधि ठाकुर एवं कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने अंचल के लोगों के आवश्यकता के अनुरूप ग्रामीणों के मांग को उचित मानते हुए अपनी सहमति दी।

इस दौरान केन्द्रीय प्रतिनिधि ठाकुर ने ग्राम पंचायत गुजरा के सूचना पटल पर प्रदर्शित प्रशासन के प्रमुख पदाधिकारियों के नाम एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का भी अवलोकन किया। इस मौके पर केन्द्रीय प्रतिनिधि मनीष ठाकुर ने ग्राम पंचायत कार्यालय के समीप ग्राम गुजरा के तालाब में पौधरोपण कर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अधिक से अधिक पौधों का रोपण कर उनके समुचित देखरेख की उपाय भी सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर केन्द्रीय प्रतिनिधि मनीष ठाकुर ग्राम पंचायत कार्यालय दानीटोला में पहुँचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। ठाकुर ग्राम पंचायत दानीटोला में आयोजित विशेष ग्राम सभा में शामिल होकर जनजातीय परिवार के लोगों से बारी-बारी से चर्चा कर उनके प्रमुख आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली।

स्वच्छ भारत दिवस पर सम्मानित हुए स्वच्छता सेवक, स्वच्छता की मिसाल बने ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए गए स्वच्छता ही सेवा स्वच्छ स्वच्छ उत्सव अभियान का समापन 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस पर हुआ। इस दौरान डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण और पृथक्करण कार्य में सक्रिय रूप से संलग्न स्वच्छाग्रही समूहों और स्वच्छता सेवकों को सम्मानित किया गया। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के दिशानिर्देशन और जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधियों, युवाओं, कर्मचारियों, अधिकारियों और ग्रामीणों की सहभागिता से गांव–गांव स्वच्छता की अलख जगाई। स्वच्छ भारत दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में ग्राम पंचायत साल्ही, चौघड़ा, नागपुर, सीरियाखोह, शंकरगढ़, बरबसपुर और लालपुर की महिलाओं को मुख्य अतिथि द्वारा साल–श्रीफल से सम्मानित किया गया। वहीं भूपेन्द्र सिंह, संतलाल साहू, भुनेश्वर पैकरा, जयदीप त्रिपाठी, मोहित हटकें, अनिल सिंह, बबन सिंह सहित कई सचिवों को भी विशेष सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, जनपद अध्यक्ष जानकी खुसरो, जिला सदस्य अनीता सिंह और उजित नारायण सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, विधायक प्रतिनिधि सरजू यादव, सीईओ जनपद वैशाली सिंह, जिला समन्वयक राजेश जैन, प्रभारी ब्लॉक समन्वयक प्रभा पयासी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वच्छाग्राही उपस्थित रहे।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता सेवकों की कर्तव्य परायणता से आज गांव, चौक–चौराहे, पर्यटन स्थल और सार्वजनिक स्थान स्वच्छ दिख रहे हैं। इनके समर्पित कार्य से गंदगी जनित बीमारियों में कमी आई है और स्वच्छ वातावरण बन रहा है। स्वच्छता सेवकों के इस योगदान को वंदनीय बताते हुए सभी ने उनके निरंतर सहयोग और समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम में यूजर चार्ज को लेकर भी जन जागरूकता का आह्वान किया गया। कहा गया कि डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण और पृथक्करण के सतत क्रियान्वयन के लिए हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह 10 से 20 रुपये मासिक यूजर चार्ज अवश्य अदा करे, जिससे स्वच्छता सेवकों को नियमित प्रोत्साहन राशि मिल सके।

मादक पदार्थों पर सर्जिकल स्ट्राइक, पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में किया गया भारी मात्रा में नशे का नष्टीकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज के कड़े निर्देशों और नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले की पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। विगत 30 सितम्बर 2025 को मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विगत चार वर्षों के दौरान जब्त किए गए भारी मात्रा में मादक पदार्थों का पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह की उपस्थिति में विधिवत नष्टीकरण किया गया। इस कार्यवाही में थाना खडगवां, चिरमिरी, झगराखाण्ड, मनेन्द्रगढ़, केल्हारी एवं जनकपुर थानों में वर्ष 2021 से 2025 तक नारकोटिक्स एक्ट के अंतर्गत दर्ज कुल 39 प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थ शामिल थे। नष्टीकरण की प्रक्रिया के दौरान पुलिस द्वारा 169 किलो 221 ग्राम गांजा, 41 नग गांजा के पौधे, 123 नग कफ सिरप, 136 नग नशीली टेबलेट व कैप्सूल और 368 नग नशीली इंजेक्शन को नष्ट किया गया। यह कार्रवाई जिले में नशे के कारोबार और अवैध गतिविधियों पर पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाती है।

नष्टीकरण की पूरी कार्यवाही पुलिस अधीक्षक चन्द्रमोहन सिंह के मार्गदर्शन में की गई। इस दौरान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मनेन्द्रगढ़ एलेक्स टोप्पो, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तरसीला टोप्पो, शशीकला पैकरा तथा जिला आबकारी प्रभारी सहित विभिन्न थाना प्रभारियों और पुलिस बल के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे। एसपी चन्द्रमोहन सिंह ने इस मौके पर कहा कि जिले में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी और खपत पर रोक लगाने के लिए पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। समाज को नशे के जाल से बचाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। आईजी सरगुजा रेंज के निर्देश पर आयोजित इस कार्रवाई को स्थानीय जनता ने भी सराहा और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे ठोस कदम उठाकर जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।

रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार हुआ जिला पटवारी संघ अध्यक्ष

खैरागढ़, एजेंसी। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार 3 सितंबर को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष एवं हल्का पटवारी क्रमांक 42-43 मंडला के पटवारी धर्मेंद्र कांडे को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

9,000 रुपये की रिश्वत मांगने का मामला

ग्राम डोकराभांठा निवासी किसान भागचंद कुर्रे ने आरोप लगाया था कि पर्चा और फौती उठाने के नाम पर पटवारी ने उससे 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण सौदा 9,000 रुपये में तय हुआ। परेशान किसान ने इसकी शिकायत एसीबी से की।

एसीबी का जाल और गिरफ्तारी

शिकायत पर एसीबी ने योजना बनाई और न्यायालय परिसर के सामने पटवारी के अस्थायी कार्यालय में जाल बिछाया। जैसे ही किसान ने 9,000 रुपये की रिश्वत सौंपी, एसीबी टीम ने पटवारी को गुलाबी नोटों सहित धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने रिश्वत लेने की बात स्वीकार की।

गिरफ्तारी के बाद हंगामा

कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे डीएसपी राजेश चौधरी ने बताया कि शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

सीएम कैंप कार्यालय की पहल से ग्राम अंकिरा और भगोरा के ट्रांसफार्मर बदले गए

ग्रामीणों ने मुयमंत्री विष्णुदेव साय का जताया आभार

जशपुरनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनसमस्याओं के निराकरण हेतु स्थापित सीएम कैंप कार्यालय बगिया, अपनी त्वरित कार्यवाही और संवेदनशीलता के वजह से लोगों के विश्वास और उम्मीदों का केंद्र बन चुका है।

विकासखंड फरसाबहार के ग्राम अंकिरा और भगोरा के मोहल्ला के ग्रामीणों ने बिजली ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या सीएम कैंप कार्यालय बगिया के समक्ष रखी। कैंप कार्यालय ने तत्काल विद्युत बहाल करने के लिए विभाग को निर्देशित किया। विभाग के द्वारा त्वरित कार्यवाही कर ग्राम में ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली आपूर्ति पुनः बहाल कर दी गई। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

जनआकांक्षाओं को पूरा कर रहा है सीएम कैंप कार्यालय

सीएम कैंप कार्यालय बगिया में रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर पहुंच रहे हैं। बिजली, सड़क, पेयजल या विकास कार्यों से जुड़ी समस्याएं यहां तुरंत सुनी जाती हैं और समाधान की दिशा में तत्काल कदम उठाए जाते हैं।

महात्मा गांधी जयंती पर जिले में शुरू हुआ कुष्ठ रोग जागरूकता सप्ताह

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक कुष्ठ जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. मो. वसीक अस्दक, अवनीश पांडेय और कुष्ठ सहायक नोडल संतोष सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि कुष्ठ कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, बल्कि इसका 100 प्रतिशत इलाज संभव है। जरूरत है केवल सही समय पर पहचान और उपचार की। डॉ. मो. वसीक अस्दक ने बताया कि समाज में आज भी कुष्ठ के प्रति कई तरह की गलतफहमियां फैली हुई है, जबकि यह पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में हल्के रंग का धब्बा, धब्बे वाले स्थान पर सुन्नपन, कोहनी के पास नस का मोटापन या कान के ऊपर मोटापन जैसे लक्षण दिखाई दें, तो उसे तुरंत स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच करानी चाहिए। जिला कुष्ठ अधिकारी ने यह भी बताया कि कुष्ठ रोग की सभी दवाइयां जिले के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क उपलब्ध हैं।

कंधों पर सवार होकर विसर्जन पर निकली कांधे वाली काली

चल माई, चल माई के जयकारों से गूंजा शहर, तीनबत्ती पर उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

सागर, एजेंसी। सागर में शहर के पंडालों में विराजमान मां भगवती की प्रतिमाओं का विसर्जन ढोल-नगाड़ों के बीच भक्तों ने किया। अलग-अलग स्थानों से दुर्गा विसर्जन चल समारोह निकाले गए। तीन बत्ती से राधा टॉकीज तक का इलाका लोगों से खचाखच भरा रहा। मां दुर्गा की झांकियां निकल रही थी। आकर्षक साज-सज्जा, आस्था का सैलाब उमड़ा हुआ था। सड़क के दोनों ओर किनारों पर हजारों की संख्या में लोग बैठे हुए थे।

भक्तों ने कंधों पर बैठाकर मां को विदा किया

शहर की सबसे प्रसिद्ध पुरव्याऊ की कांधे वाली काली का चल समारोह शुरू हुआ। पुरव्याऊ से माता को कंधों पर बैठाकर भक्त विसर्जन के लिए लेकर निकले। इसके बाद हर ओर चल माई-चल माई के जयघोष ही सुनाई दिए। लोगों ने पुष्पवर्षा कर मां को विदाई दी। आगे मशाल चल रही थी। सैकड़ों की संख्या में युवा सड़क पर दौड़ लगा रहे थे। वहीं पीछे श्रद्धालुओं के कंधों पर सवार मां दुर्गा की प्रतिमा चल रही थी। इस दृश्य को निहारने के लिए चल समारोह मार्ग पर हजारों लोग पहुंचे। माता का दिव्य और अलौकिक दृश्य हर कोई अपने मोबाइल में कैद कर रहा था।

चकराघाट पर हुआ विसर्जन

देर रात करीब 2.30 बजे तक चले चल समारोह के बाद चकराघाट पर माता का विसर्जन किया गया। पुरव्याऊ की माता का चल समारोह देर रात तीनबत्ती तिराहे पर पहुंचा। जलती हुई मशाल और सड़क पर लोगों को दौड़ते देख हर तरफ चल माई, चल माई के जयकारे लगने लगे। जैसे ही माता तिराहे पर पहुंची तो भक्तों ने फूलों की बरसात की। वहीं जमकर आतिशबाजी हुई।

इस दौरान कटरा बाजार मार्ग पर स्वागत टेंट लगाए गए। जहां पर डीजे की धुन पर युवा जमकर झूमे। कांधे वाली काली वर्ष 1905 से सागर में स्थापित की जा रही हैं। कोरोना काल में भी यह परंपरा नहीं टूटी। माता का वैभव और एक झलक पाने के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा।

प्रेमिका के छोड़कर जाने के बाद युवक ने दी जान

विवाहित महिला को भगा ले गया था युवक

नर्मदापुरम, एजेंसी। जिले के रानीगोहान गांव के पास गुरुवार शाम 7 बजे एक 28 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। रायनेती नदी के किनारे कुहू के पेड़ में युवक का शव बेल्ट से बने फंदे पर लटका मिला। रास्ते से गुजर रहे राहगीर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान रिंकू उर्फ रिंकेश अहिरवार (28) मढ़ावन के रूप में हुई। सोहागपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को रिंकेश का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का माना जा रहा है। पुलिस घटनास्थल और आसपास के सबूत जुटा रही है।

दो दिन पहले विवाहित महिला को भगाकर ले गया था युवक: थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया कि रिंकेश ने एक सप्ताह पहले सांगाखेड़ा की एक विवाहित महिला को भगा लिया था। महिला की गुमशुदगी माखननगर थाने में दर्ज हुई थी। दो दिन पहले महिला को पुलिस ने ढूंढ लिया और वह अपने परिजनों के साथ चली गई। प्रेमिका के छोड़कर जाने के बाद युवक आहत था। गुरुवार शाम युवक का शव रानीगोहान गांव के पास रायनेती नदी किनारे बेल्ट के फंदे पर लटका मिला है। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का ही लग रहा है। हालांकि अभी इसके पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। जांच जारी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर इसका खुलासा किया जाएगा।

कॉपर चोरी करने वाले आरोपी पुलिस गिरफ्त में

सलामतपुर, एजेंसी। सलामतपुर 7 वेलस्पन कंपनी में दिनदहाड़े कॉपर की केबल चोरी के मामले में पुलिस ने पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके बताने पर दो अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने सरवन लोधी, पिता निर्भय सिंह लोधी, उम्र 25 वर्ष, और मोहित लोधी, पिता गजराज सिंह लोधी, उम्र 19 वर्ष, निवासी जमुनिया को गिरफ्तार किया। पुलिस रिमांड लेकर उनसे पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने दो और आरोपियों के नाम बताए। इनमें भोपाल के कबाड़ी मोहम्मद शरीफ, पिता मोहम्मद सलीम, शामिल हैं, जो चोरी का माल खरीदता था। इसके पास से पंद्रह किलो कॉपर वायर भी जब्त किया गया। आरोपी कैलाश यादव, पिता रघुवीर यादव, निवासी ग्राम जमुनिया को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी, एएसआई सुनील शर्मा, प्रधान आरक्षक पुष्पेंद्र राजपूत, दिलीप यादव और आरक्षक संदीप रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमि रही।

तेंदुआ भगाने बजाए ढोल-नगाड़े, आतिशबाजी भी की :लेकिन नहीं मिला कोई सुराग, कटनी में एक महीने से लोग दहशत में

कटनी, एजेंसी। कटनी के बरही क्षेत्र में पिछले एक महीने से तेंदुए की दहशत बनी हुई है। वन विभाग ने तेंदुए को नगर से बाहर खदेड़ने के लिए शुक्रवार सुबह ढोल-नगाड़े बजाए और आतिशबाजी की। 50 सदस्यीय टीम के चलाए गए इस अभियान के बावजूद तेंदुए का कोई सुराग नहीं मिला है। तेंदुआ नगर सहित ग्रामीण इलाकों में मवेशियों पर हमला कर उनका शिकार कर रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। वन विभाग लगातार तेंदुए को पकड़ने का प्रयास कर रहा है।

दुर्गा विसर्जन जुलूस में पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला

शहडोल,एजेंसी। शहडोल जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान गुरुवार रात एक पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला किया गया। ड्यूटी पर तैनात आरक्षक जयप्रकाश शीराम को एक बदमाश ने चाकू मारकर घायल कर दिया, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। यह घटना धनपुरी थाना क्षेत्र के ज्वालामुखी मंदिर मार्ग पर हुई, जहां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस निकल रहा था। आयोजक समिति के सदस्यों ने जुलूस में शामिल संतबीर रजक नामक युवक के पास चाकू देखा और इसकी सूचना आरक्षक जयप्रकाश शीराम को दी। आरक्षक ने जब बदमाश को पकड़ने की कोशिश की, तो आरोपी ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से आरक्षक जयप्रकाश के सिर में चोट आई है। घटना के बाद अन्य पुलिसकर्मियों ने घायल आरक्षक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। धनपुरी पुलिस ने आरोपी संतबीर रजक के खिलाफ हत्या के प्रयास और शासकीय कार्य में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपी शहडोल का निवासी बताया गया है। उप निरीक्षक नागेंद्र सिंह ने बताया कि आरक्षक के सिर में चाकू लगी है, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। घटना के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

महिला बोली- मैडम, अब तो मुझे जिंदा कर दो

बैतूल में पंचायत सचिव ने दस्तावेजों में मृत घोषित किया; विधवा पेंशन-राशन के लिए भटक रही

बैतूल, एजेंसी। आठनेर जनपद के ग्राम पंचायत मानी में एक पूरी तरह स्वस्थ और जिंदा महिला को सरकारी दस्तावेजों में मृत घोषित कर दिया गया। इस गड़बड़ी के कारण वह विधवा पेंशन, राशन और अन्य योजनाओं से वंचित हो गई।

अब हालात यह हैं कि महिला खुद को जिंदा साबित करने के लिए दर-बदर भटक रही है। मामला उजागर होने के बाद जनपद पंचायत सीईओ आस्था जैन ने ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक भीमराव उइके को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

पति की मौत, पत्नी को मृत बताया

पीड़िता कांता बाई कुमरे ने बताया कि उनके पति सुखदेव कुमरे का निधन 15 मार्च 2023 को हुआ था। पति की मौत के बाद उन्होंने ग्राम पंचायत में विधवा पेंशन के लिए आवेदन किया। लेकिन आवेदन की प्रक्रिया में लापरवाही करते हुए मृतक पति की जगह कांता बाई को ही मृत घोषित कर दिया गया और उनकी समग्र आईडी डिलीट कर दी गई।

कांता बाई ने जनपद पंचायत में रोते हुए कहा

मैडम, अब तो मुझे जिंदा कर दो। मैं जिंदा हूं, लेकिन कागजों में मृतक बना दिया गया है। राशन कार्ड से नाम कटा, सुविधाएं बंद महिला के बेटे पप्पू कुमरे ने बताया कि जब मां राशन लेने गई तो पता चला कि उनका नाम ही सूची से कट चुका है। बाद में जानकारी मिली कि समग्र आईडी डिलीट हो चुकी है। पूछताछ पर रोजगार सहायक ने सफाई दी कि पेंशन आवेदन के दौरान गलती से कांता बाई की आईडी हटा दी गई, जबकि डिलीट पति की करनी थी।

सीईओ बोलीं- लापरवाही गंभीर, रोजगार सहायक को नोटिस

मामले में जनपद पंचायत सीईओ आस्था जैन ने कहा कि यह लापरवाही बेहद गंभीर है। उन्होंने रोजगार सहायक भीमराव उइके को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। साथ ही रिकॉर्ड सुधारने और कांता बाई को जीवित घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीईओ ने रोजगार सहायक को इस मामले के अलावा अन्य कार्यों में भी लापरवाही बरतने का दोषी पाया है।

सीईओ ने कहा: डीलीशन को ठीक करने के लिए पंचायत से ही प्रक्रिया की जानी है। वहां से इंट्री के बाद वह लोकसेवा केंद्र जाएगा। जहां से इस गलती को ठीक करना होगा। लेकिन यह फिलहाल नहीं हुआ है। प्रक्रिया के दौरान महिला को उपस्थित रहना जरूरी है, इस मामले में जीआरएस के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

सरपंच बोले- रोजगार सहायक को कई बार बोला

गांव के सरपंच शंकर आहके और ग्रामीणों ने बताया कि घोर लापरवाही है। एक जीवित महिला को ÷मृतक÷ दिखाकर न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया गया बल्कि उसे समाज में बेवजह अपमान और परेशानी भी झेलनी पड़ी।

सीहोर,एजेंसी। मुनिश्री अक्षय सागर महाराज ने कहा कि संसार का हर जीव सुख चाहता है, लेकिन जब तक आत्मा का संबंध पर्याय से रहेगा, तब तक दुख बना रहेगा। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में धर्मसभा में छहढाला ग्रंथ का वाचन करते हुए उन्होंने आत्मा के स्वरूप को समझाया। कहा, जैसे लोहा जब तक अग्नि में लाल रहता है, तब तक पीटा जाता है। उसी तरह जब तक आत्मा पर्याय के साथ जुड़ी रहती है, तब तक वह भी कष्ट सहती है। उन्होंने कहा कि आत्मा चेतन का उपयोग है। आत्मा में स्पर्श, रस, गंध और वर्ण नहीं होते। ये सब पुद्गल के गुण हैं। आत्मा अमूर्त है, उसमें कोई भौतिक गुण नहीं होते। इसलिए आत्मा की कोई उपमा नहीं दी जा सकती। कवि शरीर, आंखों और रूप की उपमा देते हैं, लेकिन आत्मा की नहीं। आचार्य और महात्मा भी कहते हैं कि भगवान अनुभव में हैं, उपमा में नहीं। मुनिश्री ने कहा कि आत्मा निष्कलंक होती है। उसे किसी भी वस्तु से नहीं जोड़ा जा सकता। सूर्य या चंद्रमा की उपमा भी आत्मा के लिए नहीं दी जा सकती। आत्मा को जानना और देखना ही उसका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमें जीवन जीने की कला सिखाने वाला मिला है, यह हमारा सौभाग्य है। दुख और मरण के कारण मिथ्या दर्शन, मिथ्या ज्ञान और मिथ्या चरित्र हैं।

मृत गाय के साथ क्रूरता, एक्सीडेंट के बाद रीवा-मनगवां हाईवे पर शव को वाहन से घसीटा

रीवा, एजेंसी। रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के रीवा-मनगवां हाईवे पर मृत गाय को हाईवे के पेट्रोलिंग वाहन से घसीटते हुए ले जाने का वीडियो सामने आया से। घटना जोगिनहाई टोल प्लाजा के पास की है, जिससे टोल प्लाजा प्रबंधन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सड़क दुर्घटना में मौत होने के बाद गाय के शव को हाईवे के पेट्रोलिंग वाहन से रस्सी से बांधकर सड़क पर घसीटा गया। इस घटना का वीडियो सामने आने बाद लोगों में आक्रोश है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि गाय के शव को बिना किसी उचित व्यवस्था के सड़क पर घसीटा जा रहा है, जिससे सड़क पर खून फैल गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना टोल प्लाजा प्रबंधन की मवेशियों के प्रति संवेदनहीनता को उजागर करती है। हाईवे पर मृत मवेशियों के शवों को क्रूरता और निर्दयता से घसीटकर ले जाया जाता है। फिलहाल, इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है और न ही कोई कार्रवाई की गई है। बता दें कि, पिछले सप्ताह शहर के बिछिया थाना क्षेत्र में गाय का कटा हुआ सिर मिलने के बाद हिंदू संगठन ने हंगामा किया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही टोल प्लाजा प्रबंधन की यह क्रूरता सामने आई है।

फुटपाथ पर भी अतिक्रमण, शोरूम की पार्किंग और स्थाई कब्जे से पैदल चलना मुश्किल

धार, एजेंसी। शहर में फुटपाथ और पार्किंग स्थलों पर तेजी से अतिक्रमण हो रहा है, जिससे पैदल चलने वालों और खरीदी करने आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह फुटपाथों को स्थायी पार्किंग बना दिया गया है, जबकि शोरूम संचालक अपनी नई गाड़ियां तक फुटपाथ पर खड़ी कर रहे हैं।

जहां नो पार्किंग के बोर्ड लगे वहीं पर कार पार्क

नगरपालिका ने आदर्श सड़कों पर नौ पार्किंग बोर्ड लगाए हैं, लेकिन इनका पालन नहीं हो रहा। जिला अस्पताल से टीवीएस चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण किया गया था, मगर अनिल प्लाजा के पास स्थायी पार्किंग बना लेने से सड़क का चौड़ीकरण बेकार साबित हो रहा है। इसी तरह मांडू रोड पर भी फुटपाथों पर आए दिन नया कब्जा देखा जा रहा है।

रोज बन रही जाम की स्थित

मुख्य बाजार में भी यही स्थिति है। नपा ने यहां दो साल पहले दुकानों को हटाकर पार्किंग स्थल बनाया था ताकि लोगों को सुविधा मिले और जाम न लगे, लेकिन यहां स्थायी कब्जा कर कारों की पार्किंग कर दी गई। नतीजतन खरीदी करने आने वाले लोगों को पार्किंग की जगह नहीं मिलती और बाजार में आए दिन जाम लग रहा है।

आदर्श सड़क की हालत सबसे चिंताजनक है, जहां 10 से ज्यादा शोरूम संचालकों ने फुटपाथों पर कब्जा कर लिया है। चारपहिया शोरूम तक ने फुटपाथ पर नई कारें बेचने के लिए खड़ी कर दी हैं।

इस पर नपा सीएमओ कु. विश्वनाथ सिंह का कहना है कि यातायात विभाग के साथ मिलकर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी और फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

छोटे भाई ने बड़े भाई भतीजे को पीटा

गाली देने से मना करने पर हुआ विवाद, अस्पताल में भर्ती

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में गाली-गलौज करने से मना करने पर छोटे भाई ने अपने बड़े भाई और भतीजे के साथ मारपीट की। घटना गुरुवार को सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के महोबा रोड गुरुद्वारा के पास हुई। छोटा भाई शराब के नशे बड़े भाई को गाली दे रहा था।मना करने पर उसने मारपीट शुरू कर दी। हमले में बड़ा भाई और भतीजा दोनों घायल हो गए दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

क्या है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार, बाबूलाल वर्मा (65) और उनके बेटे विजय वर्मा घर पर थे। इसी दौरान बाबूलाल के छोटे भाई बबलू वर्मा ने शराब के नशे में गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। जब बाबूलाल और विजय ने उन्हें ऐसा करने से मना किया, तो बबलू वर्मा, उनके बेटे प्रिंस वर्मा और तरुण वर्मा ने लाठी-डंडों और पत्थरों से उन पर हमला कर दिया।

इस मारपीट में बाबूलाल वर्मा और उनके बेटे विजय वर्मा के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। घायल विजय वर्मा ने बताया कि चाचा बबलू वर्मा और उनके बेटों ने ही उन पर हमला किया था।

घटना के बाद घायलों ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सड़क पर गड्ढे, एक घंटे तक फंसा बोलेरो

अनूपपुर, एजेंसी। अमरकंटक के माई बगिया रोड पर पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढों को ठीक से न भरने के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार की सुबह एक बोलेरो लगभग एक घंटे तक इन गड्ढों में फंसा रहा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिनों पहले सड़क पर पाइपलाइन डालने के लिए गड्ढे खोदे गए थे। पाइपलाइन बिछाने के बाद इन गड्ढों को मिट्टी से ढक दिया गया, लेकिन उनकी उचित भराई नहीं की गई।

इस लापरवाही के कारण अब आए दिन वाहन इन गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को घंटों तक परेशानी झेलनी पड़ती है। यह समस्या अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी बड़ी बाधा बन रही है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मामले का संज्ञान लेने और तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि सड़क को दुरुस्त किया जा सके और आवाजाही सुचारु हो सके।

पाइपलाइन के गड्ढे ठीक से न भरने से यात्रियों को परेशानी

47 साल बाद दोहराया इतिहास, सुनील गावस्कर की ऐतिहासिक सूची में शामिल हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टेस्ट क्रिकेट का एक नया अध्याय तब लिखा गया, जब शुभमन गिल ने अपने कप्तानी करियर की घरेलू शुरुआत अर्धशतक से की। यह उपलब्धि उन्हें सीधे महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर की ऐतिहासिक सूची में ले आई। गावस्कर ने 1978 में अपने पहले घरेलू टेस्ट में अर्धशतक जमाया था और अब गिल ने 47 साल बाद वही कमाल दोहराया है। हालांकि शतक से चूकने पर उनकी पारी थोड़ी अधूरी रह गई। भारतीय टीम की कमान संभालते हुए गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 91 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। खैरी पियरे की गेंद पर एक रन लेते ही स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। यह उपलब्धि सिर्फ रन नहीं बल्कि कप्तान के रूप में आत्मविश्वास और नई जिम्मेदारी के साथ उनके करियर की मजबूत शुरुआत का प्रतीक है। गिल ने अपनी पारी में पांच चौके भी लगाए। 1978 में सुनील गावस्कर ने वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहली बार कप्तान बनकर घरेलू टेस्ट में 205 रन बनाए थे। गिल ने जब अपना पचासा लगाया तो यह उपलब्धि सीधे गावस्कर की उस ऐतिहासिक पारी की याद दिला गई। क्रिकेट प्रेमियों ने इसे पीढ़ियों के बीच एक अनोखे पुल की तरह देखा। अर्धशतक के बाद शुभमन गिल तेज़ी से रन बटोर रहे थे, लेकिन रोस्टन चेज़ की गेंद पर रिवर्स स्वीप की कोशिश में 57 रन पर आउट हो गए। यह दूसरी बार था जब उन्होंने टेस्ट मैचों में इसी शॉट पर अपना विकेट गंवाया। इसके बावजूद कप्तान के तौर पर उनकी यह पारी अहम उपलब्धि साबित हुई। गिल का आत्मविश्वास उनकी पिछली सफलता से भी झलक रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने 5 मैचों में 754 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज बने। उसी लय को बरकरार रखते हुए उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ भी कप्तानी पारी खेलकर दिखाया कि वह अब भारतीय टेस्ट टीम के भविष्य का भरोसेमंद चेहरा हैं।

दिल्ली में जन्मे क्रिकेटर निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित रेड-बॉल सीरीज में करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जन्मे क्रिकेटर निखिल चौधरी इस हफ्ते अपने करियर का सबसे बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित रेड-बॉल प्रतियोगिता, शेफील्ड शील्ड में तस्मानिया के लिए उनका डेब्यू लगभग तय है। भारत में पंजाब के लिए लिस्ट ए क्रिकेट खेलने वाले चौधरी रणजी ट्रॉफी से वंचित रह गए थे, लेकिन अब ऑस्ट्रेलिया में उनकी मेहनत रंग लाई है। स्थानीय क्लब मैचों से शुरू हुई यह यात्रा आज उन्हें तस्मानिया की जर्सी तक ले आई है। निखिल चौधरी ने पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हुए शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह जैसे सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया। हालांकि उन्हें रणजी ट्रॉफी में कभी खेलने का मौका नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद चौधरी ने क्लब क्रिकेट और वीकेंड टूर्नामेंट से शुरुआत की और धीरे-धीरे राज्य अनुबंध तक पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद उनकी मेहनत ने उन्हें बिग बैश लीग की टीम होबार्ट हरिकेंस तक पहुंचाया। इसके बाद क्रिकेट तस्मानिया ने उन्हें लिस्ट ए मैचों में मौका दिया, जहां उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ 2 विकेट लिए और विक्टोरिया के खिलाफ 67 रन की पारी खेली। यही प्रदर्शन उनके फर्स्ट क्लास डेब्यू की राह बना। क्रिकेट तस्मानिया की हाई परफॉर्मेंस प्रमुख सैलियन बीम्स ने निखिल की कहानी को दृढ़ संकल्प की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि देश बदलने के बाद ढलना आसान नहीं होता, लेकिन चौधरी ने लगातार रन और प्रदर्शन से खुद को साबित किया।

उनकी भूख और जुनून टीम को मजबूती देंगे और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी बेहद दुर्लभ है। 1960 के दशक में रूसी सुरती ने क्वींसलैंड के लिए खेलते हुए मिसाल कायम की थी। निखिल चौधरी अब उस इतिहास में नया अध्याय जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, पंजाब से तस्मानिया तक का यह सफर बताता है कि मेहनत और विश्वास से कोई भी सपना दूर नहीं होता।

अहमदाबाद टेस्ट: जुरेल, जडेजा, राहुल का शतक, भारत ने वेस्टइंडीज पर बनाई 286 रन की बढ़त

अहमदाबाद, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट में दूसरे दिन की समाप्ति तक ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा और केएल राहुल के शतक की बदौलत भारतीय टीम ने 286 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की तरफ से दूसरे दिन तीन शतक लगे। पहला शतक केएल राहुल ने लगाया। राहुल 197 गेंद पर 100 रन बनाकर आउट हुए। यह उनके टेस्ट करियर का 11वां शतक था। इसके बाद ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने शतक लगाए। जुरेल ने 210 गेंद पर 15 चौके और 3 छक्के की मदद से 125 रन की पारी खेली। यह टेस्ट करियर का उनका पहला शतक है। जुरेल वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय धरती पर शतक लगाने वाले तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बने। जुरेल से पहले धोनी और फारुख इंजीनियर यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। पूर्व भारतीय कप्तान धोनी ने 2011 में कोलकाता टेस्ट के दौरान 144 रन बनाए थे, जबकि पूर्व विकेटकीपर इंजीनियर ने 1967 में चेन्नई टेस्ट के दौरान विंडीज के खिलाफ 109 रन बनाए थे। रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड में बतौर बल्लेबाज किए गए बेहतरीन प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए अपने टेस्ट करियर का छठा शतक लगाया। जडेजा 176 गेंद पर 104 रन बनाकर नाबाद हैं। जडेजा ने अपनी पारी में 5 छक्के और 6 चौके लगाए हैं। जडेजा और जुरेल के बीच पांचवें विकेट के लिए 206 रन की साझेदारी हुई। दूसरे दिन के खेल की समाप्ति के समय भारत का स्कोर 5 विकेट पर 448 रन था। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज पर 286 रन की बढ़त बना ली है।

वेस्टइंडीज की पहली पारी पहले दिन ही 44.1 ओवर में 162 रन पर सिमट गई थी। सिराज ने 4, बुमराह ने 3, कुलदीप यादव ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिए थे।

वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप

मीराबाई चानू ने भारत को दिलाया सिल्वर

फोर्ड (नॉर्वे)। भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के 48 किलोग्राम वर्ग में देश को सिल्वर मेडल जिताया है। यह इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में मीराबाई चानू का तीसरा मेडल है। साल 2017 की वर्ल्ड चैंपियन ने दूसरी बार सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। उत्तर कोरिया की री सोंग-गम ने कुल 213 किलोग्राम (91 किलोग्राम + 122 किलोग्राम) भार उठाकर गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने कुल भार के साथ-साथ क्लीन एंड जर्क में भी नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। थाईलैंड की थान्याथोन सुकचातरोएन के नाम ब्रॉन्ज मेडल रहा, जिन्होंने कुल 198 किलोग्राम (88 किलोग्राम स्नैच + 110 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) भार उठाया। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद अगस्त में कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर वापसी की। उन्होंने कुल 199 किलोग्राम (84 किलोग्राम स्नैच + 115 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) भार उठाया।

मीराबाई चानू के 87 किलोग्राम वर्ग में दो प्रयास असफल रहे। 84 किलोग्राम वर्ग में पहला प्रयास भी उनके लिए थोड़ा असहज लग रहा था, लेकिन उन्होंने क्लीन एंड जर्क में अपनी लय वापस हासिल की और तीनों प्रयासों में सफल रहीं।

क्लीन एंड जर्क में मीराबाई चानू ने 109 किलोग्राम भार उठाने के बाद 112 किलोग्राम और फिर 115 किलोग्राम भार उठाया।

31 वर्षीय मीराबाई चानू ने अनाहेम में 2017 वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीता था। उन्होंने बोगोटा में साल 2022 में 49 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर अपने नाम किया।

11 अक्टूबर तक चलने वाली वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 अगले साल होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाइंग स्पर्धाओं में से एक है। भारत ने इसमें 14 सदस्यीय दल भेजा है।

महिला वर्ग में मीराबाई चानू के अलावा, कोयल बार (53 किलोग्राम), बिंद्यारानी देवी सोरोखैबम (58 किलोग्राम), निरुपमा देवी सेराम (63 किलोग्राम), हरजिंदर कौर (69 किलोग्राम), वंशिता वर्मा (86 किलोग्राम), महक शर्मा (86 किलोग्राम+) हिस्सा लेंगी। वहीं, भारत के पुरुष दल का नेतृत्व कॉमनवेल्थ गेम्स के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवप्रीत सिंह करेंगे।

रावत के शानदार शतक से देहरादून वॉरियर्स की धमाकेदार जीत, टिहरी टाइटन्स टूर्नामेंट से बाहर

देहरादून, एजेंसी। बारिश से प्रभावित उत्तराखंड प्रीमियर लीग (UPL) 2025 के एक महत्वपूर्ण मुकाबले में देहरादून वॉरियर्स ने टिहरी टाइटन्स को नौ विकेट से हराकर फाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा। देहरादून वॉरियर्स ने 15 ओवर में मिले 143 रनों के लक्ष्य को ओपनर संस्कार रावत के शानदार शतक (116 रन) की मदद से दो ओवर शेष रहते ही आसानी से हासिल कर लिया। बारिश के कारण मैच देर से शुरू हुआ, जिसके चलते मुकाबले को 15-15 ओवर का कर दिया गया था। फाइनल में जगह बनाने के लिए यह मैच दोनों टीमों के लिए करो या मरो की स्थिति वाला था। इस जीत के साथ देहरादून वॉरियर्स की उम्मीदें बरकरार हैं, जबकि टिहरी टाइटन्स टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टिहरी टाइटन्स ने निर्धारित 15 ओवरों में 142/7 का स्कोर बनाया। ईशान जगूड़ी ने 10 गेंदों में 23 रन बनाकर तेज शुरुआत दी। हालांकि, नियमित अंतराल पर विकेट गिरे। मध्यक्रम में, भानु प्रताप सिंह ने एक छोर संभाले रखा और सिर्फ 28 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए, जिसमें पाँच छक्के शामिल थे। कप्तान विजय शर्मा ने भी 21 रनों का अहम योगदान दिया। देहरादून वॉरियर्स की ओर से मयंक मिश्रा, रक्षित रोही, और युवराज चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में, देहरादून वॉरियर्स ने ऐतिहासिक अंदाज में लक्ष्य का पीछा किया, जिसका श्रेय पूरी तरह से ओपनर संस्कार रावत को जाता है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 52 गेंदों में 116 रन की नाबाद मैच-जिताऊ पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 7 छक्के शामिल थे। युवराज चौधरी (15 रन) के आउट होने के बाद, आंजनेय सूर्यवंशी (नाबाद 13) ने रावत का बखूबी साथ दिया। वॉरियर्स ने सिर्फ 13 ओवर में 146/1 रन बनाकर नौ विकेट से आसान जीत दर्ज की। संस्कार रावत को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

राज्य तैराकी प्रतियोगिता में जोधपुर के तैराको का दबदबा, चैनपुरा तरणताल के तैराकों ने जीते 31 मेडल

जोधपुर। राज्य स्तरीय तैराकी में इस बार अमृतलाल गहलोत स्टेडियम तरण ताल के तैराकों ने जिला स्तरीय 14, 17 एवं 19 वर्ष स्कूल 69 वी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 31 पदक जीते । तरण ताल के वरिष्ठतम तैराक व मोटिवेशनल स्पीकर डॉ बी एल जाखड़ ने बताया कि तरणताल में व्यवस्थाओं के अभाव में भी शारीरिक शिक्षक नवीन भाटी एवं सुमन राणावत के कुशल निर्देशन में 17 वर्ष बालिका वर्ग में रितिका चौधरी ने दो स्वर्ण पदक व एक रजत पदक , नमन गहलोत ने 17 वर्ष बालक वर्ग में तीन स्वर्ण पदक जीतकर व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीती।

बालक वर्ग 14 वर्ष में रक्षित ने एक रजत, महिरूद्र सिंह ने दो रजत , श्रेया देवड़ा ने दो रजत जीते !17 वर्ष बालिका वर्ग में रितिका चौधरी ने दो स्वर्ण एवं एक रजत पदक भूमिका ने तीन स्वर्ण 17 वर्ष बालक वर्ग में नमन गहलोत ने तीन स्वर्ण , परंजय सांखला ने एक कांस्य पदक अपनी झोली में डाला! इसी श्रृंखला में 19 वर्ष बालक वर्ग में प्रद्युमन सिंह राठौड़ ने दो स्वर्ण पदक व एक रजत महेंद्र बिश्नोई ने दो रजत व एक कांस्य रूद्र ने एक कांस्य पीयूष गहलोत ने एक रजत व दो कांस्य जीते ! 19 वर्ष बालिका वर्ग में कृष्णा सियाग ने तीन स्वर्ण पदक तनिष्का ने एक स्वर्ण व दो रजत पदक जीते। अमृत लाल गहलोत स्टेडियम की कोषाध्यक्ष एवं महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम चैनपुरा की प्रधानाचार्य निमेष चरण ने तैराकों का तरणताल पर अभिनन्दन किया! इस अवसर पर प्रशिक्षिक नवीन भाटी, सुमन राणावत वरिष्ठ तैराक डॉ बी एल जाखड़, डॉ एसके बिश्नोई, जितेंद्र सांखला , तुषार जाखड़ सहित नियमित तैराक व विद्यालय स्टाफ ने बच्चों का हौसला बढ़ाया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

गोट टूर ऑफ इंडिया 2025 के तहत 13 से 15 दिसंबर तक भारत दौरे पर रहेंगे लियोनेल मेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय और सफल फुटबॉलरों में से एक और अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में फीफा विश्व कप जिताने वाले लियोनल मेसी का भारत दौरा कंफर्म हो गया है। लियोनेल मेसी गोट टूर ऑफ इंडिया 2025 के तहत 13 से 15 दिसंबर तक भारत दौरे पर रहेंगे। मेसी के टूर इवेंट मैनेजर ने कार्यक्रम की पुष्टि कर दी है। तीन दिवसीय दौरे (13-15 दिसंबर) के दौरान मेसी के कार्यक्रम कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली में होंगे। चौथे शहर की घोषणा जल्द ही की जाएगी। मेसी से जुड़े कार्यक्रम साल्ट लेक स्टेडियम (कोलकाता), वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई), अरुण जेटली स्टेडियम (नई दिल्ली) में होंगे। कोलकाता में एक प्रतिमा अनावरण और एक नई धर्मार्थ पहल का शुभारंभ जैसे समारोह भी शामिल हैं। कार्यक्रम के टिकट विशेष रूप से डिस्ट्रिक्ट ऐप के माध्यम से उपलब्ध होंगे। दौरे के दौरान मेसी का पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और दिल्ली के स्थानीय खेल एवं मनोरंजन जगत की हस्तियों, गणमान्य व्यक्तियों और राज्य के नेताओं से भी मिलने का कार्यक्रम है।

विश्व कप विजेता अर्जेंटीना के कप्तान ने आखिरी बार 2011 में कोलकाता में फीफा के एक दोस्ताना मैच के लिए भारत का दौरा किया था। उनकी यह यात्रा अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले 2026 फीफा विश्व कप से एक साल से भी कम समय पहले हो रही है। 38 साल के मेसी अपने करियर के आखिरी दौर में हैं। फीफा विश्व कप 2026 के बाद वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। अर्जेंटीना के इस दिग्गज फुटबॉलर को चाहने वालों की संख्या भारत में करोड़ों में है। ऐसे में उनका भारत आना उनके फैंस

के लिए विशेष क्षण होने वाला है। 2023 से इंटर मियामी के लिए प्रोफेशनल फुटबॉल खेलने वाले मेसी ने अर्जेंटीना के लिए खेले 194 मैचों में 114 गोल किए हैं और सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की ऑल टाइम सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए 223 मैचों में 141 गोल किए हैं।

आजाद कश्मीर जैसे विवादित बोल के बाद पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर ने दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरुषों के एशिया कप के बाद अब महिलाओं के वर्ल्ड कप में भी पाकिस्तानी खिलाड़ी विवादों में हैं। पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर को अपने मुल्क की महिला खिलाड़ी के लिए आजाद कश्मीर टिप्पणी पर भारी विवाद के बाद सफाई देनी पड़ी है। विवादों में घिरने के बाद सना मीर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कैसे चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है और खेलों से जुड़े लोगों पर अनावश्यक दबाव डाला जा रहा है। यह दुखद है कि इसके लिए सार्वजनिक स्तर पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, एक पाकिस्तानी खिलाड़ी के गृहनगर के बारे में मेरी टिप्पणी का उद्देश्य सिर्फ यह बताना था कि पाकिस्तान के एक खास क्षेत्र से आने के कारण उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा और उनका अविश्वसनीय सफर कैसा रहा। यह उस कहानी का हिस्सा है, जो हम कमेंटेटर के तौर पर बताते हैं कि खिलाड़ी कहां से आते हैं। पूर्व कप्तान ने कहा, मैंने गुरुवार को दूसरे क्षेत्रों से आने वाले दो अन्य खिलाड़ियों के लिए भी ऐसा ही किया। इसका राजनीतिकरण न करें। वर्ल्ड फीड पर एक कमेंटेटर के तौर पर, हमारा काम खेल, टीमों और खिलाड़ियों पर फोकस करना है। उनके साहस और दृढ़ता की प्रेरक कहानियों को उजागर करना है। मेरे दिल में कोई दुर्भावना नहीं है या भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है।

दरअसल, गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के दौरान जब 29वें ओवर में नतालिया परवेज बल्लेबाजी के लिए आई, तो कमेंट्री पैनल में मौजूद सना मीर ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में पैदा हुईं नतालिया के लिए कहा कि यह बल्लेबाज कश्मीर से हैं। इसके तुरंत बाद उन्होंने इसे आजाद कश्मीर कहा।

सना मीर ने कहा, नतालिया, जो कश्मीर... आजाद कश्मीर से आती हैं, लाहौर में बहुत क्रिकेट खेलती हैं। उन्हें क्रिकेट खेलने के लिए ज्यादातर लाहौर आना पड़ता है। सना मीर की यह गलती फैंस ने पकड़ ली। इसका क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। फैंस ने इस मामले में आईसीसी से कार्रवाई करने की अपील करते हुए सना मीर को तुरंत कमेंट्री पैनल से हटाने तक की मांग तक कर दी।

संजय बांगर का दावा: वनडे में रोहित शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकता है ये भारतीय ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कोच संजय बांगर ने हाल ही में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल वनडे में रोहित शर्मा के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 264 रन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। बांगर ने 'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो' पर यह टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर गिल 45-46 ओवर तक बल्लेबाजी करें, तो उनके पास यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने की पूरी क्षमता है। गिल के दोहरे शतक और शानदार रन-स्कोरिंग फॉर्म को देखते हुए यह भविष्यवाणी भरोसेमंद लगती है।

गिल की वनडे उपलब्धियां: 55 वनडे मैचों में गिल ने 2,755 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 208 रन है, जो उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सिर्फ 149 गेंदों में बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 19 चौके और नौ छक्के जड़े। गिल अब सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और रोहित शर्मा जैसी महान सूची में शामिल हैं।

रिकॉर्ड तोड़ने की संभावना: बांगर का मानना है कि गिल ने पहले भी दोहरा शतक जमाया है और अगर उन्हें लंबी पारी खेलने का मौका मिले तो वह रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। उनके मुताबिक गिल की तकनीक, स्ट्राइक रेट और धैर्य उन्हें यह बड़ा रिकॉर्ड हासिल करने के लिए तैयार बनाते हैं। क्रिकेट विशेषज्ञ इसे एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संभव मिशन मान रहे हैं।

अभिषेक शर्मा और टी20 रिकॉर्ड

बांगर ने युवराज सिंह के 2007 टी20 विश्व कप अर्धशतक के रिकॉर्ड को भी याद किया। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा इस रिकॉर्ड को चुनौती दे सकते हैं। अभिषेक ने हाल ही में एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया, छह पारियों में 314 रन बनाए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार जीता।

युवा खिलाड़ियों का भविष्य

बांगर के अनुसार, गिल और अभिषेक दोनों ही भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए कीमती हैं। गिल का रिकॉर्ड तोड़ने का माद्दा और अभिषेक की तेज़ बल्लेबाज़ी टीम इंडिया को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन युवा खिलाड़ियों की मेहनत और क्षमता आने वाले सालों में कई रिकार्ड्स को चुनौती देगी।

पं. भैयालाल शुक्ल व्याख्यान माला का आयोजन संपन्न

पूज्य पिताजी द्वारा प्रदत्त संस्कार एवं उनका आशीर्वाद तथा आप सबके स्नेह से ही मुझे कार्य करने की प्रेरणा मिलती है: उप मुख्यमंत्री

01 से 05 **मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि पूज्य पिताजी द्वारा प्रदत्त संस्कार, उनका आशीर्वाद तथा आप सबके स्नेह से ही मुझे कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। पिताजी के सत्कर्म ही मुझे यहाँ तक ले आए हैं। उनमें निष्काम कर्मयोगी की तरह अंतिम समय तक काम करने की आदत थी। मानस भवन में पं. भैयालाल शुक्ल व्याख्यान माला में निष्काम कर्मयोग एवं सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य पिताजी के नाम के प्रभाव से ही मैं राजनीति में आया। स्व. सुंदरलाल पटवा ने श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे से मेरा परिचय कराते हुए कहा था कि यह पं. भैयालाल शुक्ल जी के सुपुत्र हैं और उन्होंने मुझे राजनीति में प्रवेश कराया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की पैनी नजर हमेशा हमारे कार्यों पर रहती है। पिताजी ने भी हमेशा निष्काम कर्मयोगी की तरह कार्य करते हुए अपनी प्रतिष्ठा बनाई। उनके पुत्र होने का लाभ भी मुझे मिला। उनकी हमेशा से ही सीख रही है कि अपना संगठन बनाकर पूरी ईमानदारी से कार्य करो। उन्होंने मानस मण्डल द्वारा आयोजित स्तुति समारोह आयोजन के लिए आयोजकों साधुवाद दिया तथा आश्वस्त किया कि मानस भवन को और भव्यता मिलेगी।

कार्यक्रम में जगदगुरू श्री रामललाचार्य जी ने अपने आशिर्वचन में कहा कि निष्काम कर्म की पात्रता संत से ही प्राप्त होती है। निष्काम कर्म में किसी भी प्रकार की आकांक्षा नहीं होती। पं. भैयालाल शुक्ल निष्काम कर्मयोगी थे। उन्होंने कहा कि स्व. भैयालाल शुक्ल के सत्कर्मों से ही उप मुख्यमंत्री अनथक कार्य कर रहे हैं। उनकी सौम्यता व कार्य करने की ललक ने ही रीवा और विन्ध्य को विकास की ऊंचाईयों तक पहुंचाया है। स्व. भैयालाल के सुपुत्र उप मुख्यमंत्री भी निष्काम कर्मयोगी ही हैं। उन्होंने विन्ध्य में अनेकों विकास के साथ ज्ञान परंपरा को अक्षुण्य रखते हुए संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना कराई। जगदगुरू ने अपेक्षा की कि इस प्रकार के आयोजन मानस भवन में होते रहें जिससे महान विभूतियों का पुण्य स्मरण हो और आने वाली पीढ़ी को भी संदेश मिले।

इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि निष्काम कर्म अत्यंत कठिन है। पं. भैयालाल जी शुक्ल ने ईमानदारी व कर्मठता से लोगों की बिना किसी आकांक्षा के मदद की जिससे उन्हें प्रसिद्धि व विश्वसनीयता मिली। उनमें समाज के हर व्यक्ति के लिए विनम्रता व करूणा के भाव थे। कार्यक्रम में विदुषी ज्ञानवती अवस्थी ने कहा कि पं. भैयालाल शुक्ल के रीवा के विकास की ललक को उनके सुपुत्र उप मुख्यमंत्री पूरा कर रहे हैं। उन्होंने स्व. पं. शुक्ल के उदारमना भाव का स्मरण किया तथा कहा कि उप मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्य इतिहास में अविस्मरणीय रहेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता घनश्याम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्व. शुक्ल ईमानदारी से कठिन कार्य को पूरा करने के लिए जाने जाते थे। वह सहृदयी व करूणावान थे। मनुष्यता व मानवीयता के गुण के कारण ही वह जन-जन के प्रिय थे। वरिष्ठ पत्रकार एवं माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जयराम शुक्ल ने कहा कि पं. भैयालाल शुक्ल के यश की कामना न रखने के गुण ने ही उन्हें निष्काम कर्मयोगी बनाया। उप मुख्यमंत्री निष्काम कर्मयोग की वंश परंपरा के वाहक हैं जो पूरी ईमानदारी व मेहनत से अपने पिताजी के पदचिन्हों में चल रहे हैं। जयराम शुक्ल ने पं. भैयालाल शुक्ल के उदारमना के प्रसंग का अनुभव भी सुनाया।

नशामुक्ति के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाएं: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिले भर में दो से आठ अक्टूबर तक मद्य निषेध सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवधि में जिले भर में नशामुक्ति के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि नशामुक्ति जनजागरण अभियान के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी तथा संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। दोनों अधिकारी अभियान की अवधि में विभिन्न विभागों से समन्वय करके लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराएं। रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, बैनर, संगोष्ठी, चित्र प्रदर्शनी आदि के माध्यम से लोगों को नशे की बुराईयों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने के लिए सचेत करें।

कलेक्टर ने कहा कि डीन मेडिकल कालेज तथा जिला शिक्षा अधिकारी विद्यार्थियों के सहयोग से जनजागरूकता अभियान चलाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नशे से पीड़ितों के लिए स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार की व्यवस्था कराएं। इसके लिए शिविरों का भी आयोजन करें। इंजीनियरिंग कालेज, पॉलिटेक्निक कालेज और आईटीआई में भी नशे के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने के साथ विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाएं। अपर संचालक उच्च शिक्षा सभी महाविद्यालयों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराएं। कलेक्टर ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सभी ग्राम पंचायतों में नशामुक्ति की शपथ दिलाने एवं दीवार लेखन के माध्यम से नशामुक्ति के संदेश देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को भी नगरीय निकायों में नशामुक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

भावांतर योजना के प्रचार-प्रसार के लिए निकाली गयी ट्रैक्टर रैली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भावांतर योजना के प्रचार-प्रसार के लिए जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर विभिन्न आयोजनों के द्वारा लोगों को योजना के संबंध में जानकारी दी जा रही है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ग्राम बरहदी में ट्रैक्टर रैली का आयोजन कर किसानों को भावांतर योजना के बारे में जागरूक करते हुए किसानों को योजना से अवगत कराया गया।

कृषि समिति रायपुर कर्चुलियान की अध्यक्ष रेखा सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर ट्रैक्टर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर गांव के कृषक, समाजसेवी रामनारायण सिंह एवं कृषि विभाग के राम पाण्डेय, निकिता तिवारी, कृष्णा सिंह, अंकित तिवारी तथा रवीन्द्र मिश्रा उपस्थित रहे।

जिले भर में गांधी जयंती पर हुआ विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने ग्राम सभा में दिलाई नशामुक्ति की शपथ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन के निर्देशों के अनुसार 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर रीवा और मऊगंज जिले में ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन ग्राम सभाओं में कृषि विभाग के अधिकारियों तथा नोडल अधिकारियों द्वारा भावांतर योजना की जानकारी दी गई। ग्राम सभाओं में ग्राम पंचायत के विकास से जुड़ी गतिविधियों, समग्र स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने ग्राम पंचायत रामनई में आयोजित विशेष ग्राम सभा में शिरकत की। मुख्य कार्यपालन

अधिकारी ने ग्राम सभा में उपस्थितों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी गुर्जर ग्राम पंचायत तेंदुन और हर्दी कला में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में भी शामिल हुए।

विशेष ग्राम सभाओं की निगरानी के लिए संभाग स्तरीय और जिला स्तरीय अधिकारियों ने भी ग्राम सभाओं में शिरकत की। नायब तहसीलदार महिमा पाठक तथा तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा विशेष ग्राम सभाओं में शामिल हुए। ग्राम पंचायत कठेरी में आयोजित विशेष ग्राम सभा में जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्राची चौबे शामिल हुईं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने स्वच्छता अभियान तथा भावांतर योजना के संबंध में जानकारी दी। सभी को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। प्रभारी संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ग्राम पंचायत कांटी एवं सिलपरी में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में शामिल हुए। इन ग्राम सभाओं में भी नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा भावांतर योजना की जानकारी दी गई। संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ डीएस बघेल ग्राम पंचायत शाहपुर में आयोजित विशेष ग्राम सभा में शामिल हुए। इसी तरह अन्य अधिकारियों ने भी विशेष ग्राम सभाओं में शामिल होकर निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं के अनुसार पारित प्रस्तावों की मॉनीटरिंग की।

कलेक्टर ने भावांतर योजना की जागरूकता रैली को किया रवाना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का अधिक लाभ देने के लिए भावांतर योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत किसान 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक अपना पंजीयन कराकर योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना के प्रचार-प्रसार के लिए जिले भर में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट परिसर में भावांतर योजना की जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि भावांतर योजना के प्रचार-प्रसार के लिए बाइक रैली निकाली गई। जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखण्डों में भी बाइक रैली और ट्रैक्टर रैली निकालकर भावांतर योजना का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जिले भर में 2 अक्टूबर से आयोजित हो रही ग्राम पंचायत की विशेष ग्राम सभाओं में भी भावांतर योजना की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ-साथ प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों तक भावांतर योजना की जानकारी पहुंचाई जा रही है। भावांतर योजना में पंजीकृत किसानों से सोयाबीन का उपार्जन 24 अक्टूबर से होगा।

उप संचालक ने बताया

बेटे ने पिता को आंख के ऊपर मारा पत्थर, खर्च के लिए पैसे नहीं देने पर किया हमला

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के भीर गांव में बेटे ने पैसों के विवाद को लेकर अपने 55 साल के पिता पर पत्थर से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में पिता नंदकुमार प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। घायल नंदकुमार प्रजापति ने शुक्रवार को घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि 2 अक्टूबर की देर रात उनके बेटे नरेश प्रजापति ने उनसे पैसों की मांग की थी। जब पिता ने पैसे देने से इनकार करते हुए बेटे को खुद मेहनत कर कमाने की सलाह दी, तो नरेश गुस्से में आ गया। गुस्से में उसने गाली-गलौज करते हुए पास पड़ा पत्थर उठाकर पिता की आंख के

ऊपर दे मारा, जिससे पिता लहूलुहान हो गए।

जान से मारने की धमकी देकर हुआ फरार: शोर सुनकर नंदकुमार की पत्नी तिजिया प्रजापति और परिजन रामायण प्रजापति ने तुरंत बीच-बचाव किया। इसी दौरान, आरोपी बेटा नरेश प्रजापति धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। भागते समय उसने अपने पिता को धमकी दी, आज तो बच गए, अगली बार जान से खत्म कर दूंगा। गांव से थाने की दूरी और देर रात वाहन न मिलने के कारण घायल पिता तत्काल रिपोर्ट दर्ज नहीं करा पाए थे। पहले उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद शुक्रवार को उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई। नईगढ़ी थाना प्रभारी जगदीश सिंह ठाकुर ने बताया कि फरियादी नंदकुमार प्रजापति के बयान के आधार पर आरोपी बेटे नरेश प्रजापति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट, लात-घूंसे; लाठी-डंडे चले, एक महिला की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लौआ लक्ष्मणपुर में आज सुबह जमीनी विवाद के चलते आज दो परिवारों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना के दौरान पति पत्नी सहित तीन लोग घायल हुए हैं। जिसमें से पत्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल घटना की सूचना सगरा थाना पुलिस को दे दी गई है।

परिवार के लोगों में लाठी डंडे और लात घूंसे चले: बताया गया कि लौआ लक्ष्मणपुर में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शुक्रवार सुबह जमीनी विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। सुबह करीब 10 बजे दो परिवार आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते लाठी-डंडे चलने लगे। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया और अब मामले की जांच में जुट गई है।

पुराने विवाद के चलते मारपीट: स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों परिवारों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। पहले भी इस मामले में कई बार कहासुनी हो चुकी है और ग्रामीणों व पुलिस ने मिलकर समझाइश देकर विवाद को शांत कराया था। लेकिन शुक्रवार को सुबह अचानक फिर झगड़ा शुरू हो गया और

थोड़ी ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष लाठी-डंडे लेकर एक-दूसरे पर टूट पड़े।

हनुमंत लाल पटेल ने बताया कि हमारे यहां परिवार के बीच जमीनी विवाद था। एक महिला को दस लोगों ने मिलकर मारा है जिसमें गौरी पटेल गंभीर घायल हुई है। युवक के मुताबिक मारपीट के वक्त आनंद, मुकेश, भारती, रविता, राजदुलारी पटेल मारपीट के वक्त मौजूद थीं। सगरा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल भिजवाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने 8 आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने 8 आदतन अपराधियों को एक वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर का आदेश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने 4 अपराधियों को एक वर्ष तक प्रतिमाह संबंधित थाने में उपस्थिति के आदेश भी दिये हैं।

जगतपाल सिंह उर्फ जगतपाल लोनिया निवासी जयस्तंभ कबाड़ी मोहल्ला रीवा, ललई शर्मा उर्फ सूर्यभान शर्मा निवासी सेमरिया, विजय पासी निवासी बेलौहन टोला रीवा, अमन मिश्रा उर्फ राक्स निवासी समानबांध गुलाब नगर रीवा, सानू उर्फ बाबा भट्ठी निवासी जालिम बाबा के पास बिछिया, नीरज माझी निवासी वार्ड क्रमांक 4 त्योंथर, सूरज प्रजापति निवासी चिरहुला मंदिर के पास रीवा तथा रामसुंदर उर्फ मुन्नू निवासी रैकवार पनवार को एक वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर किया गया है।

अष्टभुजा-धाम में भक्तों ने हाथों से प्रतिमाओं का विसर्जन किया, प्रशासन ने भीड़ पर सतर्कता रखी; शारदीय नवरात्र पर्व संपन्न

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। नईगढ़ी में शारदीय नवरात्र के समापन के बाद गुरुवार रात से देवी दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू हो गया। यह परंपरा विधि-विधान और जयकारों के साथ निभाई गई। बैंड-बाजों और डीजे के साथ श्रद्धालुओं के जुलूस नगर की गलियों से होते हुए अष्टभुजा धाम पहुंचे। देवी प्रतिमाओं का विसर्जन अष्टभुजा धाम मंदिर परिसर से बहने वाली कगास नदी के देवलहा घाट पर विशेष पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान जय माता दी के जयकारे गूंजते रहे।

पुलिस ने रातभर सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण में सतर्कता

रखी: सुरक्षा और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस अमला देर रात तक सतर्क रहा। कलेक्टर संजय कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने स्वयं अष्टभुजा धाम परिसर का दौरा किया और रात दो बजे तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। घाट परिसर के दोनों किनारों पर पर्याप्त रोशनी, भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस बल और नगर परिषद के कर्मचारी तैनात रहे। गंगा-सोन जैसी प्रमुख नदियों में प्रतिमा विसर्जन पर प्रतिबंध के कारण, पिछले कई वर्षों से रीवा और सीधी जिलों के श्रद्धालु भी अष्टभुजा धाम के देवलहा घाट पर ही विसर्जन के लिए आते हैं। इस वर्ष अनुमानत: दो हजार से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन यहां किया गया।

इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष नागिता गुप्ता, उपाध्यक्ष विभा शर्मा और समाजसेवी रामदयाल शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासनिक टीम में एसडीएम राजेश मेहता, सीएमओ हेमंत त्रिपाठी और थाना प्रभारी जगदीश सिंह ठाकुर अपने दल के साथ व्यवस्थाएं संभालते दिखे। श्रद्धालुओं ने इस वर्ष की व्यवस्थाओं की सराहना की और प्रशासनिक अमले के प्रति आभार व्यक्त किया। देवी प्रतिमाओं का विसर्जन शुक्रवार देर शाम तक जारी रहेगा।

विजयादशमी पर अग्निबाण से जलाया रावण पुतला

आतिशबाजी और जय श्रीराम के नारे से गूंजा दशहरा मैदान, हजारों लोग रहे मौजूद

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। विजयादशमी का पर्व गुरुवार देर रात उत्साहपूर्वक मनाया गया। सिंचाई कॉलोनी के पास विशाल रावण के पुतले का दहन किया गया। इस आयोजन में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए, जिन्होंने बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस क्षण को देखा।

विशाल रावण पुतले का अग्निबाण से दहन: दशहरा उत्सव का मुख्य आकर्षण भगवान राम की भूमिका निभा रहे पात्र के धनुष से छोड़े गए अग्निबाण से रावण का पुतला दहन करना रहा। जैसे ही रावण का पुतला जलने लगा, आतिशबाजियों की चमक से आसमान रोशन हो उठा और पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल, कलेक्टर संजय कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह, एसडीओपी सचि पाठक, नगर परिषद अध्यक्ष बृजवासी पटेल और मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि,

अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं और इसे सामाजिक सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने वाला पर्व बताया।

इस मौके पर सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी। पुलिस और प्रशासन के जवान पूरी तत्परता के साथ तैनात रहे, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हुआ। रावण दहन के साथ ही दशहरा पर्व का समापन हुआ। लोगों ने इसे धर्म की अधर्म पर विजय और सत्य की असत्य पर जीत का प्रतीक बताया। इस क्षण को छोटे-बड़े सभी लोगों ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।